■ कार्तिक कृष्णा - 11 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 95 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 28-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सीमा पार घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति स्थापित की जा सकती है : शाह

6 नायब सिंह के सामने अब 'नायाब' होने की चुनौती

7 ज़िंदगी के हर अहम मोड़ पर 'डिओर' हमेशा साथ रहा है : सोनम कपूर

फर्स्ट टेक

अयोध्या में विशेष दीपकों से जगमगाएगा रामलला का मंदिर

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में आठवें दीपोत्सव के तहत सरयू नदी के तट पर 28 लाख दीपक प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारियों के बीच रामलला के मंदिर में इस बार एक विशेष तरह के दीपक जलाने की योजना है। नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पहली दीपावली के लिए भव्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक तैयारियां चल रही हैं। सरयू के घाटों पर आगामी 30 अक्टूबर को होने वाले भव्य दीपोत्सव में 28 लाख दीयों को सजाने के लिये 30 हजार से ज्यादा स्वयंसेवकों की तैनाती की गयी है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता के मुताबिक ये खास तरह के दीपक मंदिर भवन को दाग-धब्बों और कालिख से सुरक्षित रखेंगे और इनसे लंबे समय तक रोशनी भी मिलेगी।

आतंकवादियों का सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने रविवार को आतंकवादियों के एक सहयोगी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर वाहनों की जांच के दौरान युनिसू में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जो आतंकवादियों का सहयोगी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सोपोर इलाके के लट्टी शार्ट के रहने वाले इश्फाक माजीद डार के रूप में हुई है।

सूडान में कुख्यात अर्द्धसैनिक बल के लड़ाकों ने 120 लोगों की हत्या की

काहिरा/एपी। सूडान के पूर्वी मध्य क्षेत्र में कुख्यात अर्धसैनिक बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' (आरएसएफ) के लड़ाकों ने कई दिनों तक उत्पात मचाया, जिसमें एक कस्बे में 120 से अधिक लोग मारे गए। चिकित्सकों के एक समूह और संयुक्त राष्ट्र ने इसकी जानकारी दी । सूडान की सेना के खिलाफ आरएसएफ का यह नवीनतम हमला था, जो क्षेत्र में सेना से लगातार कई असफलताओं का सामना करने के बाद हुआ था। डेढ़ साल से अधिक समय से जारी इस युद्ध ने इस अफ्रीकी देश को तबाह कर दिया है, इसकी आबादी का एक बड़ा हिस्सा विस्थापित हो गया है। संयुक्त राष्ट्र ने शनिवार को एक बयान में कहा कि आरएसएफ के लड़ाकों ने 20-25 अक्टूबर को गेजिरा प्रांत के पूर्वी और उत्तरी हिस्सों के गांवों और कस्बों में उत्पात मचाया, नागरिकों पर गोलीबारी की और महिलाओं एवं लड़कियों के यौन उत्पीड़न किए।

28-10-2024 सूर्यास्त 5:54 बजे | 29-10-2024 सूर्योदय 6:12 बजे

BSE	NSE
79,402.29	24,180.80
(-662.87)	(-218.60)

सोना	चांदी
8,200 रु.	102,074 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घायल बहनें

नहीं निरापद राजमार्ग भी,
अपराधों के नाम हुए।
चैन स्नैचिंग चैराहों पर,
गैंग रेप अब आम हुए।
गुण्डे जब भाई कहलाते,
रिष्ते भी बदनाम हुए।
बहनों की रक्षा हो कैसे,
तंत्र सभी नाकाम हुए।।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 150वीं कड़ी में

'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताई चिंता

बचने के लिए देशवासियों से रूको,सोचो और एक्शन लो' का मंत्र दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ कोई भी एजेंसी न तो धमकी देती है, न ही वीडियो कॉल पर पूछताछ करती है और न ही पैसों की मांग करती है।

■ ऐसे मामलों में घबराएं नहीं। शांत रहें। जल्दबाजी में कोई कदम ना उठाएं। किसी को अपनी व्यक्तिगत जानकारी ना दें। संभव हो तो स्क्रीनशॉट लें और रिकॉर्डिंग जरूर करें।

■ प्रधानमंत्री ने लोगों से ऐसे मामलों में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर डायल करने और साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन पर रिपोर्ट करने के अलावा परिवार और पुलिस को सूचना देने का आह्वान किया।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'डिजिटल अरेस्ट' के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए इससे बचने के लिए रविवार को देशवासियों से 'रुको, सोचो और एक्शन लो' का मंत्र साझा किया और इस बारे में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 150वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश के रचनात्मक ऊर्जा की एक लहर चल रही है और एनिमेशन की दुनिया में 'मेड इन इंडिया' और 'मेड बाइ इंडियंस' छाया हुआ है। उन्होंने कहा कि एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति की राह पर है जबकि 'गेमिंग क्षेत्र' का भी विस्तार हो रहा है और ये दुनिया में लोकप्रिय हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर हो रहा भारत, हर क्षेत्र में कमाल कर रहा है।

'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े एक फरेबी और पीड़ित के बीच बातचीत का वीडियो भी साझा किया और कहा कि कोई भी एजेंसी न तो धमकी देती है, न ही वीडियो कॉल पर पूछताछ करती है और न ही पैसों की मांग करती है।

इंटरनेट के तेजी से बढ़ते उपयोग के बीच 'डिजिटल अरेस्ट' फरेब का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। इसमें किसी शख्स को ऑनलाइन माध्यम से डराया जाता है कि वह सरकारी एजेंसी के माध्यम से 'अरेस्ट' हो गया है और उसे जुर्माना देना होगा। कई लोग ऐसे मामलों में डर जाते हैं और शिकार बन जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के दर्शकों को विस्तार से बताया कि इस प्रकार के फरेब करने वाले गिरोह कैसे काम करते हैं और कैसे 'खतरनाक खेल' खेलते हैं। उन्होंने कहा कि 'डिजिटल अरेस्ट' के शिकार होने वालों में हर वर्ग और हर उम्र के लोग हैं और वे डर की वजह से अपनी मेहनत से कमाए हुए लाखों रुपए गंवा देते हैं। उन्होंने कहा, इस तरह का कोई कॉल आए तो आपको डरना नहीं है। आपको पता होना चाहिए कि कोई भी जांच एजेंसी फोन कॉल या वीडियो कॉल पर इस तरह पूछताछ कभी नहीं करती। उन्होंने इससे बचने के लिए देशवासियों से 'रुको, सोचो और एक्शन लो' का मंत्र साझा किया। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में घबराएं नहीं। शांत रहें। जल्दबाजी में कोई कदम ना उठाएं।

फिर मिली देश में 50 उड़ानों में बम होने की धमकी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विमानन कंपनियों को रविवार को यात्रियों को लेकर उड़ान भर रहे कम से कम 50 विमानों में बम होने की धमकी मिली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पिछले 14 दिनों में भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा संचालित 350 से अधिक उड़ानों में बम होने की झूठी धमकी मिली है। ज्यादातर धमकियां सोशल मीडिया के जरिए दी गईं। 'अकासा एअर' ने रविवार को कहा कि उसकी 15 उड़ानों को सुरक्षा अलर्ट मिला और गहन निरीक्षण के बाद सभी विमानों के परिचालन की अनुमति दी गई। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इंडिगो को 18 उड़ानों और विस्तारा को 17 उड़ानों के दौरान विमान में बम होने की धमकियां मिलीं।

करियर के आखिरी वर्षों में क्रिकेट का लुत्फ उठाना चाहता हूं : धोनी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल 2025 में खेल जारी रखने का संकेत देते हुए कहा कि वह खिलाड़ी के तौर पर अपने आखिरी कुछ वर्षों में जो भी क्रिकेट खेल रहे हैं उसका लुत्फ उठाना चाहते हैं। धोनी ने पिछले सत्र में रुतुराज गायकवाड़ को कप्तानी सौंपने के बाद काफी निचले क्रम में बल्लेबाजी की थी। इससे उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थी।

आईपीएल में सभी फ्रेंचाइजी को मेगा नीलामी से पहले 31 अक्टूबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करनी होगी। इस साल सीएसके द्वारा धोनी को एक अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में बरकरार रखा जा सकता है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रविवार की रिपोर्ट के मुताबिक धोनी ने गोवा में कुछ दिन पहले आयोजित एक प्रचार कार्यक्रम में कहा, ''मैं अपने आखिरी कुछ वर्षों में जो भी क्रिकेट खेल सका हूं उसका आनंद लेना चाहता हूं।''

उन्होंने कहा, ''मैं खेल का वैसे ही आनंद लेना चाहता हूं जैसे कि बचपन में हम शाम चार बजे बाहर जाते थे और खेलते थे, बस खेल का आनंद लेते थे। जब आप खेल को पेशेवर तौर पर खेलते हैं तो कई बार उसका लुत्फ उठाना मुश्किल हो जाता है। मैं जो भी करता हूं उसमें भावनाएं और प्रतिबद्धताएं जुड़ी होती हैं, लेकिन मैं अगले कुछ वर्षों तक खेल का आनंद लेना चाहता हूँ।''

लद्दाख के देपसांग, डेमचोक में

सैनिकों की वापसी पहला कदम, तनाव कम करना अगला कदम : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में सैनिकों का पीछे हटना पहला कदम है, और उम्मीद है कि भारत 2020 की गश्त की स्थिति में वापस आ जाएगा। विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से चीन का जिक्र करते हुए कहा कि अगला कदम तनाव कम करना है, जो तब तक नहीं होगा जब तक भारत को यकीन नहीं हो जाता कि दूसरी तरफ भी यही हो रहा है।

इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत ने घोषणा की कि उसने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने को लेकर चीन के साथ समझौता कर लिया है। चार साल से अधिक समय से पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में यह एक बड़ी सफलता है।

मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि देपसांग और डेमचोक में गश्त करने और पीछे हटने पर आम सहमति बन गई है। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि इसे लागू करने में समय लगेगा। यह पीछे हटने और गश्त का मुद्दा है, जिसका मतलब है कि हमारी सेनाएं एक-दूसरे के बहुत करीब आ गई थीं और अब वे अपने ठिकानों पर वापस चली गई हैं। हमें उम्मीद है कि 2020 वाली स्थिति बहाल हो जाएगी। विदेश मंत्री ने कहा कि सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी करना पहला कदम है। अगला कदम तनाव कम करना है, जो तब तक नहीं होगा जब तक भारत को यकीन न हो जाए कि दूसरी तरफ भी यही हो रहा है। उन्होंने कहा, तनाव कम होने के बाद सीमाओं का प्रबंधन कैसे किया जाए, इस पर चर्चा की जाएगी।

तमिलनाडु में बिजली की कोई कमी नहीं : मनोहर लाल खट्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/एजेन्सी। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि तमिलनाडु में बिजली की कोई कमी नहीं है।

खट्टर ने राज्य में बिजली परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए शनिवार शाम यहां एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान राज्य सरकार से पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने और उन्हें मुफ्त बिजली सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करके अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है।

तमिलनाडु के विद्युत, निषेध एवं उत्पाद शुल्क मंत्री वी. सेंथिल बालाजी और विभाग के अधिकारी भी इस बैठक में मौजूद थे। इस दौरान तमिलनाडु में चल रही ताप विद्युत परियोजनाओं जैसे 800 मेगावाट उत्तर चेन्नई ताप विद्युत परियोजना-खखख (चरण-खखख), 2660 मेगावाट उदंगुडी ताप विद्युत परियोजना (चरण-ख), 2660 मेगावाट एन्नोर एसईजेड ताप विद्युत परियोजना और 600 मेगावाट एन्नोर विस्तार ताप विद्युत परियोजना पर विस्तार से चर्चा की गयी। बैठक में घाटे को कम करने के लिए 8,932 करोड़ रुपये की लागत से बेहतर विद्युत वितरण योजना के तहत चल रहे विभिन्न कार्यों पर भी चर्चा की गई।

पाकिस्तान ने चीन से अतिरिक्त 10 अरब युआन का कर्ज मांगा

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने चीन से अतिरिक्त 10 अरब युआन (1.4 अरब डॉलर) का कर्ज देने का अनुरोध किया है। रविवार को जारी एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नकदी संकट से जूझ रहा यह देश पहले ही मौजूदा 30 अरब युआन (4.3 अरब डॉलर) की चीनी व्यापार सुविधा का उपयोग कर चुका है। वित्त मंत्रालय द्वारा शनिवार देर रात जारी बयान में कहा गया कि वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान चीन के वित्त उप मंत्री लियाओ मिन से मुलाकात की और उनसे मुद्रा अदला-बदली करार के तहत सीमा को बढ़ाकर 40 अरब युआन करने का अनुरोध किया।

मुंबई पर हुए 26/11 हमले के बाद भारत की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई थी : जयशंकर

मुंबई/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई थी, लेकिन यदि ऐसी घटना दोबारा हुई तो अब ऐसा नहीं होगा। जयशंकर ने यहां संवाददाताओं से कहा, मुंबई में जो हुआ, उसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए कि यहां आतंकवादी हमला हुआ और कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। उन्होंने कहा, मुंबई भारत और दुनिया के लिए आतंकवाद-विरोध का प्रतीक है।

जयशंकर ने कहा कि जब भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य था, तब वह आतंकवाद-निरोधक समिति की अध्यक्षता कर रहा था। उन्होंने कहा, हमने आतंकवाद-निरोधक समिति की बैठक उसी होटल में की थी, जिस पर आतंकी हमला हुआ था। जयशंकर ने कहा, लोग जानते हैं कि भारत आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ा है। हम आज आतंकवाद से लड़ने में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा, जब हम आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की बात करते हैं, तो यह स्पष्ट है कि जब कोई कुछ करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। यह स्वीकार्य नहीं है कि आप दिन में सौदेबाजी कर रहे हों और रात में आतंक में लिप्त हों और मुझे दिखावा करना पड़े कि सब कुछ ठीक है। अब भारत इसे स्वीकार नहीं करेगा। यही बदलाव है।

इजराइल में मोसाद मुख्यालय के पास बस स्टॉप पर ट्रक हमले में 35 लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। इजराइली शहर तेल अवीव के पास एक ट्रक ने बस स्टॉप में टक्कर मार दी जिससे 35 लोग घायल हो गए जिनमें से छह की हालत गंभीर है। घटना स्थल पर सबसे पहले पहुंचने वालों ने यह जानकारी दी। इजराइल पुलिस ने इसे एक हमला बताया और कहा कि हमलावर इजराइल का अरब नागरिक है। यह टक्कर इजराइल की मोसाद खुफिया एजेंसी के मुख्यालय के पास हुई।

तेल अवीव के उत्तर-पूर्व में रमत हशारोन शहर में, जब इजराइली एक सप्ताह की छुट्टी के बाद काम पर लौट रहे थे तो ट्रक एक स्टॉप पर एक बस से टकरा गया, जिससे कुछ लोग वाहनों के नीचे फंस गए।

ईरानी सैन्य ठिकानों पर इजराइली हमला, नुकसान की पुष्टि उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से हुई

दुबई/एपी। ईरान की राजधानी के दक्षिण-पूर्व में स्थित उस गुप्त सैन्य अड्डे पर इजराइल के हमले से काफी नुकसान पहुंचा है, जिसे अतीत में विशेषज्ञों ने तेहरान के तत्कालीन परमाणु हथियार कार्यक्रम से संबद्ध बताया था। इस हमले में एक अन्य सैन्य अड्डे को नुकसान पहुंचा, जो ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से जुड़ा था। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) ने उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों का रविवार को विश्लेषण किया, जिससे पता चलता है कि क्षतिग्रस्त हुई कुछ इमारतें ईरान के पारचिन सैन्य अड्डे में स्थित थीं।

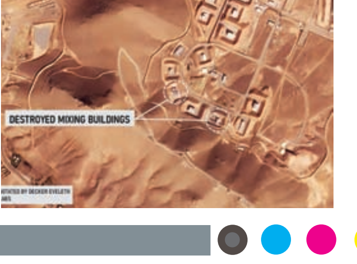

हमने गाजा में दो दिन के संघर्षविराम और चार बंधकों की रिहाई का प्रस्ताव रखा है : मिस्र के राष्ट्रपति

रमत हशारोन (इजराइल)/एपी। मिस्र के राष्ट्रपति ने कहा है कि उनके देश ने इजराइल और हमास के बीच दो दिन के संघर्षविराम का प्रस्ताव रखा है और इस दौरान गाजा में बंधक बनाए गए चार लोगों को रिहा कर दिया जाएगा। राष्ट्रपति अब्देल-फतेह अल सीसी ने काहिरा में कहा कि प्रस्ताव में कुछ फलस्तीनी कैदियों की रिहाई और गाजा पट्टी में मानवीय सहायता पहुंचाना भी शामिल है। कतर और अमेरिका के साथ मिस्र एक प्रमुख मध्यस्थ रहा है। यह पहली बार है जब मिस्र के राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से ऐसी योजना प्रस्तावित की है। हालांकि, इस प्रस्ताव पर इजराइल या हमास की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अल-सिसी ने कहा कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थिति को बेहतर करने का मार्ग प्रशस्त करना है।

धनतेरस के सुअवसर पर आपके लिए
लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
की ओर से
पूजा का 'लक्ष्मी पाना'

अपने अखबार वितरक (हॉकर) से मंगलवार, 29 अक्टूबर 2024 के अंक के साथ लेना न भूलें। अपने मित्रों-परिचितों के लिए भी यदि आपको लक्ष्मी पाना चाहिए हो तो हमारे कार्यालय में अपने आदमी को भेजकर मंगवा सकते हैं

कल के अंक के साथ

दक्षिण भारत का हिंदी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूर कार्यालय पता 6/4, Cantonment Railway Station Road, Bangalore - 51

आजादी में योगदान देने वाले महापुरुष अतीत में खो नहीं जाते, भविष्य का रास्ता दिखाते हैं: मोदी

नई दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा और सरदार पटेल की 150वीं जयंती के वर्ष को जीवंत बनाने के लिए देशवासियों से सहभागिता का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि आजादी के आंदोलन में योगदान देने वाले महापुरुष अतीत में खो नहीं जाते हैं, बल्कि उनका जीवन वर्तमान को भविष्य का रास्ता दिखाता है।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 150वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए झारखंड विधानसभा चुनाव से पूर्व उन्होंने यह भी कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनकी जन्मस्थली उलिहातू की यात्रा उनके जीवन के खास पलों में एक थी, जिसका उनपर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा। उन्होंने कहा, अगर आप मुझसे पूछें कि मेरे जीवन के सबसे यादगार पल क्या रहे तो कितने ही वाकये याद आते हैं। लेकिन, इनमें भी एक पल ऐसा है जो बहुत खास है। वो पल था जब पिछले साल 15 नवंबर को मैं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनकी जन्मस्थली झारखंड के उलिहातू गांव गया था। उन्होंने कहा, इस यात्रा का मुझ पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा। उन्होंने याद दिलाया कि वह देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें इस पवित्र भूमि की मिट्टी को अपने मस्तक से लगाने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा, उस क्षण, मुझे न सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम की शक्ति महसूस हुई, बल्कि इस धरती की शक्ति से जुड़ने का भी अवसर मिला। मुझे यह एहसास हुआ कि कैसे एक संकल्प को पूरा करने का साहस देश के करोड़ों लोगों का भाग्य बदल सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में हर युग में कुछ चुनौतियां आईं और हर युग में ऐसे असाधारण भारतवासी जन्मे, जिन्होंने इन चुनौतियों का सामना किया। इस क्रम में बिरसा मुंडा और सरदार पटेल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दोनों स्वतंत्रता सेनानियों की 150वीं जयंती को मनाने का निश्चय किया है। सरदार पटेल की जयंती का वर्ष 31 अक्टूबर से और इसके बाद भगवान बिरसा मुंडा का जयंती वर्ष 15 नवम्बर से शुरू होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, इन दोनों महापुरुषों ने अलग-अलग चुनौतियां देखीं, लेकिन दोनों की दृष्टि एक थी- 'देश की एकता'। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने बीते वर्षों में ऐसे महान नायक-नायिकाओं की जयंतियों को नई ऊर्जा से मनाकर, नई पीढ़ी को नई प्रेरणा दी है। झारखंड में दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान होना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 31 अक्तूबर को दिवाली के कारण इस वर्ष सरदार पटेल की जयंती पर 'रन फॉर यूनिटी' यानी 'एकता के लिए दौड़' कार्यक्रम का आयोजन 29 अक्तूबर को आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने इस कार्यक्रम में लोगों से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मनाए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान न्यूयॉर्क के 'टाइम्स स्कवेयर' से अफ्रीका के छोटे से गांव तक, विश्व के लोगों ने भारत के सत्य और अहिंसा के संदेश को समझा, उसे फिर से जाना और उसे जिया। उन्होंने कहा कि जब देश ने स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती मनाई तो देश के नौजवानों ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति को समझा। उन्होंने कहा, इन योजनाओं ने हमें ये एहसास दिलाया कि हमारे महापुरुष अतीत में खो नहीं जाते, बल्कि उनका जीवन हमारे वर्तमान को भविष्य का रास्ता दिखाता है।

ट्रायथलॉन

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या, पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और गोवा के मंत्री गोविंद गौड़े रविवार को पणजी के मीरामार बीच पर आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन के दौरान फोटो खिंचवाते हुए।

अहमदाबाद में फैक्टरी में जहरीले धुएं में सांस लेने से दो श्रमिकों की मौत, सात अस्पताल में भर्ती

अहमदाबाद/भाषा

गुजरात के अहमदाबाद में रविवार को एक कपड़ा फैक्टरी में विषैले धुएं में सांस लेने के बाद दो श्रमिकों की मौत हो गई जबकि सात को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना शहर के नारोल औद्योगिक क्षेत्र में देवी सिंथेटिक्स में हुई।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रवि मोहन सैनी ने बताया कि फैक्टरी में जब तेजाब को टैंक में डाला जा रहा था, तब जहरीला धुआं सांस के जरिए नौ श्रमिकों के शरीर में चला गया। उन्होंने बताया, पुलिस को पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे सूचना मिली कि नारोल की एक फैक्टरी में जहरीली गैस के रिसाव के कारण नौ लोग प्रभावित हुए हैं और उन्हें एलजी अस्पताल ले जाया गया, जहां दो की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सात श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से चार की हालत गंभीर है और उनका आईसीयू में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि छपाई और रंगाई के काम में इस्तेमाल होने वाले तेजाब को टैंक में डाला जा रहा था, तभी आसपास के श्रमिक प्रभावित हुए।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल), औद्योगिक सुरक्षा और गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) के अधिकारियों की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और सटीक कारण पता लगाने में जुट गई। उन्होंने बताया कि औद्योगिक सुरक्षा और एफएसएल अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि फैक्टरी ने अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) आदि के संबंध में उचित प्रक्रियाओं का पालन किया है या नहीं और अधिकारियों से मिली रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेगी।

पंजाब: मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 105 किलो हेरोइन बरामद

चंडीगढ़/भाषा

पंजाब पुलिस ने रविवार को बताया कि उसने सीमा पार तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ कर तुर्किये के एक मादक पदार्थ तस्कर के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि साथ ही 105 किलोग्राम हेरोइन भी जब्त की गई।

पुलिस द्वारा जब्त की गई ये खेप राज्य में सबसे बड़ी मादक पदार्थ जब्तियों में से एक है।

पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान छह हथियार भी जब्त किए गए।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया, पंजाब में एक खुफिया अभियान के दौरान सीमा पार से मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है और विदेश में रह रहे मादक पदार्थ तस्कर नवप्रीत सिंह उर्फ नव भुल्लर के दो साथियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 105 किलोग्राम हेरोइन, 31.93 किलोग्राम कैफीन एनहाइड्रूस, 17 किलोग्राम डीएमआर, पांच विदेशी पिस्तौल और एक देसी कट्टा बरामद हुआ है। उन्होंने बताया, पाकिस्तान से मादक पदार्थ लाने के लिए समुद्री मार्ग का इस्तेमाल किया जाता था। टायरों के बड़े रबर ट्यूब भी बरामद किए गए जिससे पता चलता है कि समुद्री मार्ग के जरिए इनकी तस्करी होती थी।

अधिकारी ने बताया कि इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

मैराथन

मुक्केबाज और पूर्व राज्यसभा सांसद मैरी कॉम रविवार को वाराणसी में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के खेल मैदान में उत्कर्ष मैराथन को हरी झंडी दिखाती हुई।

मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में नौ लोग घायल : नगर निकाय अधिकारी

मुंबई/भाषा

मुंबई में बांद्रा रेलवे स्टेशन पर रविवार तड़के गोरखपुर जाने वाली एक ट्रेन में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की के दौरान मची भगदड़ में नौ लोग घायल हो गए। यहां नगर निकाय और आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इस बीच, पश्चिमी रेलवे ने एक बयान में कहा कि घटना में दो लोग घायल हो गए।

सूत्रों के अनुसार, दिवाली और छठ के आगामी उत्सवों के मद्देनजर अपने घरों की ओर जाने की योजना बना रहे लोग बड़ी संख्या में बांद्रा टर्मिनल पहुंचे। जब अनारक्षित ट्रेन को एक प्लेटफॉर्म पर लाया जा रहा था तो कई यात्री उसमें चढ़ने के लिए दौड़ पड़े।

नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई जब बड़ी संख्या में लोग 22921 बांद्रा-गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस पर चढ़ने के लिए बांद्रा टर्मिनल की प्लेटफॉर्म संख्या एक पर मौजूद थे।

पश्चिम रेलवे ने बताया कि यह घटना देर रात दो बजकर 45 मिनट पर बांद्रा टर्मिनल की प्लेटफॉर्म संख्या एक पर हुई जब अंत्योदय एक्सप्रेस बांद्रा टर्मिनल यार्ड से प्लेटफॉर्म की ओर ''धीरे-धीरे बढ़'' रही थी।पश्चिम रेलवे ने सुबह करीब साढ़े 10 बजे जारी बयान में कहा, इस दौरान प्लेटफॉर्म पर कुछ यात्रियों ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की, जिससे एक दुर्घटना में दो यात्री नीचे गिर गए और घायल हो गए।

बयान में कहा गया है, ड्यूटी पर मौजूद आरपीएफ, जीआरपी और होम गार्ड के अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और घायल यात्रियों को नजदीकी भाभा गवर्नमेंट हॉस्पिटल में भर्ती कराया।

इसमें कहा गया है कि घायल यात्रियों की हालत अभी स्थिर है।

बहरहाल, मुंबई आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ और नगर निकाय के एक अधिकारी के अनुसार, अनारक्षित ट्रेन में चढ़ने की कोशिश के दौरान भीड़भाड़ वाले ट्रेन टर्मिनल पर भगदड़ में नौ यात्री घायल हो गए।

नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि घायलों की पहचान शबीर अब्दुल रहमान (40), परमेश्वर सुखदर गुप्ता (28), रवींद्र हरिहर चूमा (30), रामसेवक रवींद्र प्रसाद प्रजापति (29), संजय तिलकराम कांगे (27), दिव्यांशु योगेंद्र यादव (18), मोहम्मद शरीफ शेख (25), इंद्रजीत साहनी (19) और नूर मोहम्मद शेख (18) के रूप में की गई है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि साहनी और नूर मोहम्मद शेख की हालत गंभीर है और उनका अस्पताल में उपचार हो रहा है।

पश्चिम रेलवे ने यात्रियों से चलती ट्रेन में न चढ़ने और उतरने का अनुरोध किया है, क्योंकि यह खतरनाक है।

उसने एक बयान में कहा कि पश्चिम रेलवे आगामी दिवाली और छठ उत्सवों के मद्देनजर विभिन्न गंतव्यों, खासतौर से उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए 130 से अधिक विशेष ट्रेन चला रहा है।

एक अन्य वीडियो बयान में पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि निर्धारित प्रस्थान से करीब ढाई घंटे पहले तड़के पांच बजकर 10 मिनट पर ट्रेन को प्लेटफॉर्म पर वापस लाया जा रहा था। उन्होंने बताया, दुर्भाग्यपूर्ण रूप से, कुछ यात्रियों ने चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की, जिसके कारण वे घायल हो गए।

पश्चिम रेलवे के अधिकारी ने कहा कि त्योहारी मौसम पर विचार करते हुए उन्होंने मुंबई सेंट्रल, बांद्रा, वलसाड, उधना और अन्य स्टेशन से विशेष रेलगाड़ियों के 2,300 फेरों के लिए एक अधिसूचना जारी की है। उन्होंने बताया कि रेलवे ने यात्रियों के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर भी बनाए हैं।

बीआरएस नेता के रिश्तेदार के फार्म हाउस पर छापेमारी

हैदराबाद/भाषा

तेलंगाना पुलिस ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कथित रिश्तेदार के फार्महाउस पर छापेमारी कर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ कोकीन का सेवन करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई वहां आयोजित पार्टी में व्यक्ति की जांच रिपोर्ट पॉजिटीव आने पर की गई।

तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं ने रविवार को कहा कि पार्टी बीआरएस नेता के रिश्तेदार राज पकाला के फार्महाउस पर आयोजित की गई थी। उन्होंने मामले की विस्तृत जांच की मांग की। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आरोप लगाया कि तेलंगाना की कांग्रेस सरकार कानून लागू करने का सिर्फ 'ढोंग' कर रही है, लेकिन वास्तव में ''बीआरएस के बड़े नेताओं को बचा रही है।

पुलिस के मुताबिक उसे सूचना मिली थी कि जनवाड़ा स्थित फार्महाउस में आयोजित पार्टी में ''अनधिकृत रूप से मादक पदार्थ और शराब'' परोसी जा रही है जिसके बाद साइबराबाद पुलिस और आबकारी अधिकारियों की एक टीम ने 26 और 27 अक्टूबर की दरमियानी रात वहां छापा मारा और पाया कि पार्टी में 21 पुरुष और 14 महिलाएं शामिल थीं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पार्टी में शामिल सभी पुरुषों का मादक पदार्थ परीक्षण किया गया और एक व्यक्ति के कोकीन का सेवन करने की पुष्टि हुई जिसके बाद उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

पुलिस ने बताया कि पकाला ने पार्टी की मेजबानी की थी और शराब परोसने के लिए आबकारी विभाग से लाइसेंस नहीं लिया था, इसलिए आबकारी कार्य बल ने आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसके अलावा तेलंगाना गेमिंग अधिनियम के तहत भी उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। फार्महाउस के स्वामित्व के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने बताया कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह उनका (राज पकाला का) है, लेकिन स्वामित्व के विवरण का सत्यापन किया जाना है।

भाजपा नेता संजय कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा,''जनवाड़ा फार्महाउस पर छापा तो बस बानगी है। कांग्रेस सरकार को एक दूसरे के हितों की रक्षा करने के लिए इस मामले को कमजोर नहीं करना चाहिए। यह स्पष्ट हो रहा है कि कांग्रेस और बीआरएस एक दूसरे के हितों की रक्षा करते हुए 'आपसी लेनदेन ' का खेल खेल रहे हैं।

उपग्रह संचार के लिए प्रयुक्त प्रमुख आवृत्ति बैंड की सुरक्षा की जाए : उद्योग

नई दिल्ली/भाषा

उपग्रह-संचार उद्योग ने सरकार से आग्रह किया है कि उनके द्वारा प्रयुक्त प्रमुख आवृत्ति बैंड, विशेषकर 'केए' और 'केयू' बैंड को स्थलीय सेवाओं को आवंटित किए जाने से संरक्षित किया जाए।

भारतीय सैटकॉम उद्योग संघ (एसआईए) ने भी सरकार से वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप लचीले उपयोग के लिए 27.5-28.5 गीगाहर्ट्ज बैंड को आईएमटी (अंतरराष्ट्रीय मोबाइल दूरसंचार) को हस्तांतरित करने के बजाय इसे विशेष रूप से उपग्रह सेवाओं के लिए आरक्षित करने का आग्रह किया है।

एसआईए-इंडिया के अध्यक्ष सुब्बा राव पुवुलुरी ने एक बयान में कहा, सैटेलाइट बैंडविड्थ में कोई भी कमी न केवल 'गेटवे' की आवश्यकताओं को दोगुना कर देगी, बल्कि सैटेलाइट संचालकों के लिए परिचालन लागत भी बढ़ाएगी, जिसका असर अंततः अंतिम उपयोगकर्ताओं पर पड़ेगा। हमें सैटेलाइट-संचार सेवाओं के लिए इन आवृत्ति बैंड के संरक्षण को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि अनावश्यक वित्तीय बोझ से बचा जा सके।

उद्योग निकाय ने एनजीएसओ-आधारित स्थिर उपग्रह सेवाओं (एफएसएस) के लिए केयू और केए बैंड में विशिष्ट आवृत्ति रेंज का भी प्रस्ताव दिया है।

मप्र कांग्रेस समिति की नई कार्यकारिणी 'फूट और फजीहत' की परिचायक : मोहन यादव

इंदौर/भाषा

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश कांग्रेस समिति की नई कार्यकारिणी को लेकर मुख्य विपक्षी दल पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि यह कार्यकारिणी कांग्रेस की अंदरूनी फूट और फजीहत की परिचायक है।

मुख्यमंत्री ने यह उम्मीद भी जताई कि कांग्रेस इस कार्यकारिणी को भंग करके इसमें ''ढंग के लोगों'' को जगह देगी।

इस कार्यकारिणी में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे और पूर्व सांसद नकुल नाथ को जगह नहीं दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर यादव ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा कि यह कार्यकारिणी कांग्रेस की आंतरिक फूट और फजीहत की परिचायक है। उन्होंने कहा, हमने तो पहले ही कहा है कि वे (कांग्रेस) संगठन चलाना नए तरीके से सीखें, समझें और नए खून को मौका दें। जीतू पटवारी के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 10 महीने बाद उनकी अगुवाई वाली 177 सदस्यीय कार्यकारिणी शनिवार रात घोषित की गई। इसमें 17 उपाध्यक्ष, 71 महासचिव, कार्यकारी समिति के 16 सदस्य, 33 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 40 विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री यादव ने तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी कार्यकारिणी कभी नहीं देखी जिसमें महासचिवों की तादाद उपाध्यक्षों से ज्यादा हो। उन्होंने कहा, काम करने के इन्हीं तरीकों के कारण कांग्रेस अपने पतन की ओर जा रही है।

दौरा

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले गिरिडीह में रविवार को गांवों का दौरा करते हुए झामुमो उम्मीदवार कल्पना सोरेन ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
बिकाऊ
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to **Magadi road Metro station**
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

दिल्ली में फिर वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज, कई स्थानों पर एक्यूआई 'गंभीर'

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में दो दिन के अंतराल के बाद रविवार को फिर से वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज की गई क्योंकि प्रदूषण के स्तर में सुधार लाने वाली हवा की रफ्तार धीमी हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 359 दर्ज किया गया जबकि शनिवार को यह 255 था।

सीपीसीबी ने 40 निगरानी केंद्र में से 36 का आंकड़ा साझा किया, जिसमें से आनंद विहार, अलीपुर, बवाना, जहांगीरपुरी, मुंडका, वजीरपुर, विवेक विहार और सोनिया विहार में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई जबकि शेष 28 में एक्यूआई 'बेहद खराब' श्रेणी में रहा।

शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा, 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक, 101 और 200 के बीच 'मध्यम, 201 और 300 के बीच 'खराब, 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' तथा 401 और 500 के बीच एक्यूआई को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

रविवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य किसान संघ की ओर से पूर्णिमा पैलेस में आयोजित किसान समुदाय सम्मेलन एवं छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

शिक्षा, संगठन और संघर्ष के बिना उन्हें अपना उचित हिस्सा नहीं मिल सकता : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या नेकहा कि मुझे ग्रामीण समुदाय से सहानुभूति है। निश्चित रूप से उनको मदद मिलेगी। ग्रामीण समुदाय को श्रेणी 3ए में शामिल करना सही नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि कैटेगरी 1 में शामिल करने की मांग पर रिपोर्ट लाने के बाद फैसला लिया जाएगा। उन्होंने पूर्णिमा पैलेस में राज्य ग्रामीण संघ द्वारा आयोजित ग्राम समुदाय की बैठक का उद्घाटन करने और ग्रामीण छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित करने के बाद ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जातिगत भेदभाव की व्यवस्था में शिक्षा के बिना समाज की मुख्यधारा में सक्षम होना मुश्किल है। राज्य ग्रामीण संघ की मांग है कि ग्रामीण समुदाय को कैटेगरी 3ए से कैटेगरी 1 में शामिल किया जाए। समाज में किसी भी जाति की आर्थिक और सामाजिक स्थिति जानने के लिए जाति सर्वेक्षण रिपोर्ट महत्वपूर्ण है। जनगणना 2011 आखिरी जनगणना थी। उन्होंने कहा, अब हमारी सरकार को जाति जनगणना रिपोर्ट मिल गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़ों को 10 फीसदी आरक्षण दिया है। यह जांचना होगा कि ग्राम समुदाय इस दायरे में आता है या नहीं। इस समुदाय को श्रेणी 3ए में शामिल करना सही नहीं है। इसलिए अपनी मांग स्थायी पिछड़ा आयोग को अध्ययन कर रिपोर्ट लेने के लिए भेजें। उन्होंने कहा, इसके बाद समुदाय को निष्पक्ष रूप से क्या दिया जाना चाहिए, इसकी जांच की जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रामीण संघ के उपाध्यक्ष केएम नागराजू, पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, गारंटी कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एचएम रेवन्ना, राज्य सरकार दिल्ली के प्रतिनिधि टीबी जयचंद्र, मुख्य सचेतक अशोक पट्टन, मंत्री रामलिंगा रेड्डी, डी. सुधाकर, पूर्व मंत्री विधायक एसटी सोमशेखर, बीएम कृष्णप्पा, प्रियकृष्ण, ग्राम समुदाय के अधिकारी, जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भाजपा ने वक्फ बोर्ड के नोटिस से प्रभावित विजयपुरा के किसानों से मिलने के लिए समिति बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक के विजयपुरा जिले के एक गांव में वक्फ बोर्ड द्वारा कथित तौर पर जमीन खाली करने का नोटिस दिए जाने से प्रभावित किसानों का हाल जानने और उनकी पीड़ा सुनने के लिए पांच सदस्यीय टीम गठित की है।

टीम में सांसद गोविंद करजोल, विधायक हरीश पूंजा और महेश तेंगिंकई, पूर्व एमएलसी अरुण शाहपुर और भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महासचिव कलमरुदप्पा शामिल हैं। हालांकि, टीम में विजयपुरा के भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को शामिल नहीं किया गया है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा द्वारा जारी बयान के मुताबिक, टीम 29 अक्टूबर को प्रभावित किसानों से मुलाकात करेगी। होनवाद गांव के लोगों को नोटिस जारी कर वक्फ बोर्ड ने कहा है कि जमीन उसकी है। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने शनिवार को जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया।

वृद्ध माता-पिता के 'पोषण' पर कार्यक्रम आयोजित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'द प्रोजेनिटर' ने रविवार को 'एफपीए इंडिया' के साथ रघुवनहल्ली स्थित जीवनसंध्या ट्रस्ट में 'वृद्ध माता-पिता के 'पोषण' पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व संयुक्त सचिव डॉ. एसएस मीनाक्षी सुंदरम, केनरा बैंक के मुख्य महाप्रबंधक पुष्कर सिन्हा और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नागराज मूर्ति, केनरा बैंक के पूर्व महाप्रबंधक एमजी पंडित थे।

डॉ. नागराज मूर्ति ने बुजुर्गों के लिए हृदय संबंधी स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। एफपीए इंडिया ने निःशुल्क चिकित्सा जांचें भी करवाईं। इसके अलावा, बुजुर्गों से संवाद कर उनकी समस्याओं और भावनाओं को समझा। सभी के सहयोग से ट्रस्ट को खाद्य सामग्री दान की गई। कार्यक्रम का समन्वयन अनिल कुमार ने किया। इस अवसर पर काशीनाथ, स्वामी, दीपिका, अंशुल, प्रीति, सुनील, एकनाथ, रघुनाथ, राघवन, नागराज, प्रकाश, त्रिवेणी, मदन, मंजुला, अनिता रोशन और एफपीए इंडिया तथा जीवनसंध्या ट्रस्ट के सदस्य मौजूद थे।

कर्नाटक के गांव में गजट में त्रुटि के कारण किसानों की जमीन को लेकर असमंजस की स्थिति : पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल ने रविवार को कहा कि पुरानी गजट अधिसूचना में त्रुटि के कारण वक्फ अधिनियम के तहत विजयपुरा जिले के होनवाड़ा गांव के लोगों को उनकी पुश्तैनी जमीन खाली करने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक वक्फ बोर्ड गांव के किसानों की 1,200 एकड़ जमीन पर अधिकार का दावा नहीं कर सकता है। विजयपुरा जिले के प्रभारी मंत्री पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, 1974 में गजट अधिसूचना में इसे गलती से होनवाड़ा गांव लिख दिया गया था। वहां की जमीन मूल रूप से महल बाग सर्वेक्षण संख्या का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि 1977 में वक्फ बोर्ड ने अपने दस्तावेजों में सुधार किया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि केवल 10 श्मशान एकड़ भूमि ही उसकी है।

मंत्री ने कहा, शेष 1,200 एकड़ भूमि (जिसके बारे में दावा किया जाता है कि वह वक्फ बोर्ड की है) किसानों की है। इसलिए, किसानों की एक भी इंच भूमि वक्फ बोर्ड की संपत्ति नहीं है। पाटिल ने कहा कि वह इस मामले को सुलझाने के लिए जिला, राजस्व विभाग और वक्फ बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि 10 एकड़ श्मशान भूमि से जुड़ा मामला भी न्यायालय में विचाराधीन है और लोगों को इसके नतीजे का इंतजार करना चाहिए।

पाटिल ने दावा किया कि श्मशान भूमि भी पंचायत की संपत्ति है। होनवाड़ा के ग्रामीण उस समय भड़क गए, जब उन्हें नोटिस मिला कि उनकी सारी जमीन वक्फ बोर्ड की है।

खरीददारी

बेलगावी में रविवार को दीपावली की खरीददारी करते लोग।

चेन्नई सेंट्रल और अंबाला छावनी के बीच विशेष ट्रेनें

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दिवाली/छठ त्योहारों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए चेन्नई सेंट्रल – अंबाला छावनी (हरियाणा) सेक्टर के बीच निम्नलिखित विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। रेलगाड़ी नं . 06097/06098 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल – अंबाला

छावनी–डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल साप्ताहिक त्यौहार विशेष चलाई जारही है। रेलगाड़ी नं . 06097 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल – अंबाला छावनी (हरियाणा) साप्ताहिक त्यौहार स्पेशल 28 अक्टूबर, 04 और 11 नवंबर (सोमवार) को डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से 05.15 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 02.10 बजे अंबाला छावनी पहुंचेगी (3 सेवाएं)। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 06098 अंबाला छावनी – डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल साप्ताहिक त्यौहार स्पेशल 30 अक्टूबर, 06 और 13 नवंबर (बुधवार) को अंबाला छावनी से 15.30 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 13.35 बजे डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुंचेगी (3 सेवाएं)। इस ट्रेन में 10 – स्लीपर क्लास कोच, 6 – सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 2 – द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

समीक्षा बैठक

रविवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री गृह कार्यालय 'कृष्णा'में उपचुनाव पर समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य।

द्रमुक की परंपरा के विपरीत उदयनिधि स्टालिन ने दी दीपावली की बधाई, भाजपा ने ली चुटकी

चेन्नई/दक्षिण भारत। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की परंपरा के विपरीत पार्टी नेता और तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आस्थावानों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं, जिस पर विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुटकी ली। भाजपा दीपावली और विनायक चतुर्थी समेत हिंदू त्योहारों की बधाई नहीं देने के लिए द्रमुक को निशाना बनाती रही है।

द्रमुक के दिवंगत अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि समेत पार्टी के विभिन्न नेताओं ने अपनी तर्कवादी विचारधारा की वजह से कभी लोगों को दीपावली की बधाई नहीं दी। हालांकि, शनिवार को पार्टी की 'प्लेटिनम जुबली' के अवसर पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में अपने समर्थकों का अभिवादन करते हुए उदयनिधि ने लोगों को दीपावली की बधाई भी दी, जिससे कई लोग हैरान रह गए।

उन्होंने कहा, मैं हमारी (द्रमुक) प्लेटिनम जुबली की बधाई देता हूं। आस्थावानों और दीपावली मनाने वालों को इस पर्व की बधाई। उत्तर में दीपावली भगवान राम के वनवास से अयोध्या लौटने का प्रतीक है, जबकि दक्षिण में यह त्योहार भगवान कृष्ण और उनकी पत्नी सत्यभामा की राक्षस राजा नरकासुर पर विजय का प्रतीक है।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के नेता नारायणन तिरुपति ने उदयनिधि पर कटाक्ष किया। उन्होंने 'एक्स' पर इशारों ही इशारों में उपमुख्यमंत्री की टिप्पणियों का उल्लेख किया और कहा, जो लोग आस्थावान नहीं हैं, उन्हें नरकासुर की तरह जीने के लिए बधाई। इसके अलावा, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि पर परोक्ष हमला करते हुए उदयनिधि ने कहा कि उन्हें 'द्रविड़म' शब्द से ही 'एलर्जी' है और उन्हें लगता है कि इसका नाम न लेकर इसे खत्म किया जा सकता है। उदयनिधि ने दावा किया कि राज्यपाल को तमिलनाडु नाम से भी दिक्कत है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, द्रविड़म को कोई छू भी नहीं सकता। तमिलनाडु तमिलनाडु ही रहेगा। जब तक हमारा काला और लाल (द्रमुक का) झंडा और द्रमुक कार्यकर्ता हैं, तब तक कोई तमिलनाडु और द्रविड़म को छू भी नहीं सकता।

श्रीलंका नौसेना ने अवैध तौर पर मछली पकड़ने के आरोप में 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने समुद्र में अवैध तौर पर मछली पकड़ने के आरोप में भारत के 12 मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी नौका भी जब्त कर ली है। एक अधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 12 और लोगों को गिरफ्तार किए जाने से द्वीपीय देश में इस साल ऐसी घटनाओं में पकड़े गए भारतीय नागरिकों की संख्या बढ़कर 462 हो गई है। श्रीलंका नौसेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया और उत्तरी प्रांत जाफना के प्वाइंट पेड्रो तट से उनकी नौका भी जब्त की गई है।

इसमें बताया गया कि पकड़े गए 12 मछुआरों को कांकेसंथुराई बंदरगाह ले जाया गया और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें मैलाडी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा। बयान में कहा गया कि श्रीलंकाई नौसेना ने 2024 में अब तक द्वीप के समुद्री क्षेत्र में अवैध तौर पर मछली पकड़ने के आरोप में 462 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी 62 नौकाओं को जब्त किया है।

इसमें कहा गया है कि कानूनी कार्रवाई के लिए मछुआरों को अधिकारियों को सौंप दिया गया है। श्रीलंका के मत्स्य मंत्रालय ने बताया कि दोनों पड़ोसियों के बीच बार–बार उत्पन्न होने वाली समस्या (मछुआरों द्वारा मछली पकड़ना) पर चर्चा करने के लिए 12 सदस्यीय भारतीय दल मंगलवार को यहां पहुंचेगा। दोनों देशों के मछुआरों को अनजाने में एक–दूसरे के समुद्री क्षेत्र में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता है।

वायनाड लोस उपचुनाव

भूस्खलन पीड़ितों के लिए पुनर्वास का मुद्दा प्रमुख

स्थानीय सांसद तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस्तीफा देने के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ रहा है। राहुल ने इस साल हुए आम चुनाव में वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली दोनों सीट से जीत हासिल की थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। केरल की वायनाड लोकसभा सीट के लिए अगले महीने होने वाले उपचुनाव का प्रमुख मुद्दा 30 जुलाई को हुए भूस्खलनों के पीड़ितों के पुनर्वास से जुड़ा है और कांग्रेस–नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) तथा माकपा–नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने प्रभावित परिवारों की चिंताओं पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। सरकार के अनुसार, इस भीषण आपदा में 231 लोगों की मौत हो गयी और 47 लोग अब भी लापता हैं। वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा।

स्थानीय सांसद तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस्तीफा देने के कारण इस सीट पर उपचुनाव कराना पड़ रहा है। राहुल ने इस साल हुए आम चुनाव में वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली दोनों सीट से जीत हासिल की थी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पुनर्वास के लिए जमीन अधिग्रहण तेजी से पूरा होना चाहिए, क्योंकि जमीन मालिकों के इसे केरल उच्च न्यायालय में चुनौती देने के कारण इसमें देरी हुई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा ऋण माफी, तत्काल राहत सहायता और विस्थापित एवं किराये के मकानों में रहने वाले लोगों के लिए किराये में बढ़ोतरी की मांग भी पूरी नहीं हुई है।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)–नीत एलडीएफ प्रत्याशी सत्यन मोकेरी ने शनिवार को कई भूस्खलन पीड़ितों से उनके किराये के आवास में मुलाकात की और दावा किया कि राज्य में सत्तारूढ़ वामपंथी सरकार के पुनर्वास प्रयास विश्व के लिए आदर्श हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर इस पर्वतीय जिले के भूस्खलन से पीड़ित लोगों के पुनर्वास के लिए कोई मदद न उपलब्ध कराने का भी आरोप लगाया। यूडीएफ प्रत्याशी एवं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने एक भावुक खुले पत्र में अपने भाई तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ चूरलमाला और मुंडक्कई के दौरे को याद किया, जहां उन्होंने भूस्खलन से मची तबाही देखी।

वायनाड में कलपेट्टा से कांग्रेस विधायक टी. सिद्दीकी ने विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के आश्वासन के बावजूद केंद्र ने वायनाड के भूस्खलन प्रभावित लोगों के राहत एवं पुनर्वास के लिए केंद्र की ओर से एक पैसा भी नहीं दिया गया। वहीं, भाजपा प्रत्याशी नव्या हरिदास के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यक्तिगत रूप से भूस्खलन पीड़ितों को सांत्वना दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल सरकार ने अभी तक पीड़ितों को केंद्र सरकार द्वारा दी गई राहत सहायता उपलब्ध नहीं करायी है। केरल के राजस्व मंत्री के. राजन ने कहा, आपदा को 100 दिन बीत गए हैं और हम अब भी विशेष राहत पैकेज का इंतजार कर रहे हैं। राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप और नेताओं के समर्थन के बीच भूस्खलन से पीड़ित लोग अपने पुनर्वास के संबंध में सभी उम्मीदवारों से ध्यान देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे हैं। जनसंवाद एक्शन कमेटी के अध्यक्ष नसीर अलाक्कल ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, हम अपने मुद्दों को राजनीतिक दलों के सामने लाने के लिए कलपेट्टा या मेप्पडी में अनशन करने की योजना बना रहे हैं। हमें लगता है कि अगर प्रियंका गांधी के प्रचार अभियान के लिए वायनाड आने के दौरान यह होता है तो इसका अधिक असर होगा।

इनफैंट्री दिवस समारोह में शहीदों को किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेलगावी सैन्य स्टेशन पर रविवार को 78वां इन्फेंट्री दिवस मनाया गया। इस अवसर पर इन्फेंट्री सैनिकों की बहादुरी, समर्पण और बलिदान को नमन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शरक़त युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के साथ हुई, जहां सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारी, जेसीओ और अन्य रैंकों के अधिकारी (ओआर) शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठे हुए थे। सैनिकों ने 'राष्ट्र प्रथम' दृष्टिकोण को जारी रखने की शपथ ली। उन्होंने चुनौतीपूर्ण और खतरनाक स्थितियों का सामना होने पर अटूट साहस के साथ राष्ट्र की रक्षा में अग्रणी रहने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में मेजर जनरल आरएस गुराया, जूनियर लीडर विंग कमांडर और ब्रिगेडियर जॉयदीप मुखर्जी मौजूद थे। पुष्पांजलि समारोह के बाद सभी लोग सैनिकों के साथ चाय पीने के लिए इकट्ठे हुए। इस दौरान सभी को वीरता और त्याग की गाथाएं साझा करने का अवसर मिला।

बलात्कार के मामले में युवक को 10 वर्ष का कठोर कारावास

मंगलूरु। मंगलूरु की एक अदालत ने आठ वर्ष पूर्व बलात्कार के एक मामले में अपराधी को आज 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। न्यायाधीश कांतराजू एस.वी. की अदालत ने पुत्तूर के कुट्रुपडी गांव के रहने वाले जगन्नाथ के. मोगेरा (38) को पानी मांगने के बहाने घर में जबरन घुसकर एक युवती से बलात्कार करने और फिर उसे धमका कर अनेक बार उसका यौन शोषण करने का दोषी करार दिया और इस अपराध के लिए उसे दस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनायी। मामला 25 फरवरी 2016 का है। आरोपी ने इस घटना के बाद अनेक बार उसका यौन शोषण किया। जब युवती गर्भवती हुई तो उसके परिवार को घटना के बारे में पता चला और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुत्तूर ग्रामीण पुलिस ने मामले की जांच की और आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया।

प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर इनोवेशन, मेक फॉर द वर्ल्ड, डिजिटल सुरक्षा का दिया संदेश : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 115वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर प्रधानमंत्री के सम्बोधन का श्रवण किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ भी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश ने बीते वर्षों में महान नायक-नायिकाओं की जन्म जयन्ती को नई ऊर्जा से मनाकर, नई पीढ़ी को नई प्रेरणा दी है। इसी कड़ी में देश की एकता का विजन साझा करने वाले सरदार पटेल और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती मनाने का निश्चय किया है। 31 अक्टूबर से सरदार पटेल का 150वीं जन्म जयंती का वर्ष एवं 15 नवंबर से भगवान बिरसा मुंडा का 150वीं जयंती का वर्ष शुरू होगा। उन्होंने इस उत्सव को भारत की अनेकता में एकता का उत्सव बनाने का आह्वान किया।

'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड एवं डिजीटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता को लेकर चर्चा की। उन्होंने डिजिटल सुरक्षा के तीन चरण 'रुको-सोचो-एक्शन' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई व्यवस्था कानून में नहीं है तथा डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के खिलाफ जांच एजेंसियां राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। इन एजेंसियों में तालमेल बनाने के लिए राष्ट्रीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र की स्थापना की गई है। साथ ही, साइबर स्कैम की रोकथाम के लिए लोगों का जागरूक होना भी आवश्यक है।

प्रधानमंत्री ने पेरू में भरतनाट्यम और ओडिसी नृत्य के प्रशिक्षण का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति लगातार विश्व को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। आज दुनिया भर के लोग भारत को जानना चाहते हैं, भारत के लोगों को जानना चाहते हैं।

उन्होंने देशवासियों से आस-पास ऐसी सांस्कृतिक पहल को साझा करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान की बदौलत आत्मनिर्भरता हमारी पॉलिसी के साथ ही हमारे पैशन का भी हिस्सा बन गया है। आत्मनिर्भर हो रहा भारत, हर क्षेत्र में कमाल कर रहा है। ये नया भारत है, जहां 'मेक इन इंडिया' अब 'मेक फॉर द वर्ल्ड' बन गया है। हमें न सिर्फ भारत को आत्मनिर्भर बनाना है, बल्कि अपने देश को इनोवेशन के ग्लोबल पॉवर हाउस के रूप में मजबूत भी करना है। उन्होंने देशवासियों को धनतेरस, दीवाली, छठ पूजा, गुरु नानक जयंती और सभी पर्वों की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान 'वोकल फोर लोकल' के साथ स्थानीय दुकानदारों से खरीददारी करें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम हमेशा ही प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक व सकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला होता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि त्योहारों के दौरान 'वोकल फॉर लोकल अभियान' से जुड़ें और ज्यादा से ज्यादा स्थानीय उत्पादों को अपनाएं।

विदाई

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को रविवार को जयपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान पर विदाई दी। इससे पूर्व उन्होंने आरआईसी में दी बार एसोसिएशन जयपुर द्वारा आयोजित नवनिर्मित कैफ़े एंड ई-लाइब्रेरी एवं लॉयर्स डायरी-2025 के लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

जैसलमेर में फ्रांसीसी पर्यटक की मौत

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर में 53 वर्षीय फ्रांसीसी पर्यटक की एक होटल के कमरे में मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार पर्यटक की पहचान जॉर्जेस सिल्वी के रूप में हुई है और वह दो दिन पहले एक दल के साथ जैसलमेर आई थीं। कोतवाली प्रभारी सवाई सिंह ने बताया कि महिला को बृहस्पतिवार से बेचैनी महसूस हो रही थी और उन्होंने चिकित्सक से परामर्श लिया था। सिंह ने बताया कि होटल के कर्मियों ने शनिवार को पुलिस को सूचना दी कि पर्यटक की शुक्रवार रात होटल के कमरे में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को सरकारी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

चम्बल प्रदूषण मामला : तीन उद्योगों को एनजीटी ने दिये नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान में कोटा के तीन उद्योगों को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) सेन्ट्रल जोनल बैंच भोपाल के न्यायाधिपति शिवकुमार सिंह न्यायिक सदस्य एवं डॉ. ए. सेंथिल विशेषज्ञ सदस्य की बैंच ने पर्यावरणविद बाबूलाल जाजू की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोटा के तीन उद्योगों को प्रदूषण फैलाने में आवश्यक पक्षकार मानते हुए नोटिस जारी करके नौ जनवरी तक जवाब मांगा है। एनजीटी ने मैसर्स डीसीएम श्रीरामनगर कोटा, मैसर्स श्रीराम रेयॉन्स श्रीराम नगर कोटा एवं मैसर्स कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन सकतपुरा कोटा को विपक्षी पक्षकार कायम करने पर स्वीकृति प्रदान की है।

जाजू ने रविवार को बताया कि एनजीटी सेन्ट्रल जोनल बैंच, भोपाल में निर्णित हो चुकी याचिका परे एनजीटी भोपाल बैंच ने गंदे नालों को देश की एकमात्र घड़ियाल सेंचुरी चम्बल में जाने से रोककर नालों के पानी को एसटीपी प्लांट लगाकर पानी को साफ करके ही चम्बल में छोड़े जाने के निर्देश दिये थे। जिस पर कोटा प्रशासन, स्थानीय निकायों और प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा एकमात्र एसटीपी प्लांट लगाया गया है, जो पूरी तरह से कार्य भी नहीं कर रहा है।

उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद करीब 15 प्रतिशत पानी का शोधन ही हो रहा है बाकी सीधे नदी में जा रहा है। करीब 10 वर्ष पूर्व दायर याचिका में पारित आदेशों की पालना कोटा प्रशासन नहीं कर पाया है जिसके चलते नदी में शहर के सैकड़ों छोटे बड़े मलमूत्र वाले नाले चम्बल नदी में जा रहे हैं, वहीं कुछ औद्योगिक इकाईयों द्वारा गर्म एवं प्रदूषित पानी चोरी छिपे सीधे चम्बल में छोड़ा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले में पंचतीर्थ स्नान चार दिन का ही रहेगा

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के पुष्कर में 15 दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय पुष्कर मेले में धार्मिक मेला 'पंचतीर्थ स्नान' पांच दिन के बजाय चार दिन का ही रहेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्कर मेले में पंचतीर्थ स्नान कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी 12 नवंबर से कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा 15 नवम्बर तक ही होगा। यहां एक तिथि क्षय होना बताया जा रहा है, जिसके कारण पंचतीर्थ स्नान चार दिन के ही रहने वाले हैं। पुष्कर के पं. कैलाश नाथ दाधीच के अनुसार इस बार धार्मिक स्नान भीष्म पंचक स्नान न होकर भीष्म चतुर्थ स्नान ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि इस बार ब्रह्म चतुर्दशी तिथि के क्षय होने से धार्मिक स्नान चार दिन का ही रहेगा । यूं पवित्र पुष्कर सरोवर में धार्मिक स्नान पूरे साल चलते हैं, लेकिन कार्तिक महीने में एकादशी से पूर्णिमा तक 33 करोड़ देवी देवताओं का वास यहां माना जाता है। इसलिए कार्तिक स्नान का अपना विशेष धार्मिक महत्व ग्रंन्थों में बताया गया है।

रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय पुराना परिसर में स्व. भोम सिंह खारा की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने स्व. भोम सिंह खारा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पटेल ने कहा कि रक्तदान महादान है और रक्तदान करने वाला व्यक्ति महादानी है। उन्होंने कहा रक्तदान शिविर के माध्यम से युवाओं ने समाज को सकारात्मक संदेश दिया है कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि रक्तदान न केवल नया जीवन देता है बल्कि सामाजिक संबंधों में मधुरता आती है। उन्होंने कहा आपका रक्त किसी की शिराओं में जिंदगी बनकर दौड़ेगा। हम सभी अधिकाधिक रक्तदान कर लाखों लोगों के जीवन को बचा सकते है। इस दौरान विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किरोड़ी लाल मीणा ने जमकर लगाए ठुमके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। राजस्थान में विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार चरम पर है। छोटे भाई जगमोहन मीणा के लिए वोट मांगने पहुंचे कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने जमकर ठुमके लगाए। शनिवार की रात को दौसा में भाजपा प्रत्याशी के लिए डोर-टू-डोर कैंपेनिंग करने मंत्री पहुंचे थे। तभी गांव की महिलाओं ने उनसे डांस की फरमाइश कर दी। शनिवार की रात को दौसा में भाजपा प्रत्याशी के लिए डोर-टू-डोर कैंपेनिंग करने मंत्री पहुंचे थे। तभी गांव की महिलाओं ने उनसे डांस की फरमाइश कर दी। उल्लेखनीय है कि डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के छोटे भाई

जगमोहन मीणा दौसा विधानसभा से उप-चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी हैं। किरोड़ी लाल मीणा ढाणी गांव में भाई के लिए वोट मांगने गए। महिलाओं के साथ ठुमके लगाए। महिलाओं ने लोक गीत गया, किरोड़ी बाबा है सोने चीजसोशल मीडिया पर किरोड़ी के डांस का वीडियो वायरल हो रहा है।

दौसा से कांग्रेस प्रत्याशी डीसी बैरवा ने नामांकन किया। इस दौरान चुनावी सभा भी की। पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा ने गमछा घुमाकर कर डांस कर महफ़िल लूटी थी। 42 सेकेंड के इस वीडियो की शुरुआत दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा से गले मिलते हुए होती है। इसके बाद एमपी अपने गले से गमछा निकालकर डोटासरा को देने लगते हैं और उनसे डांस करने के लिए कहते हैं। लेकिन डोटासरा हंसते हुए मना करके अपने कुर्सी पर जाकर बैठ जाते हैं।

यह नजारा देख मंच पर बैठे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मुस्कुराने लगते हैं। इसके बाद वे डोटासरा से स्टेज पर जाकर डांस करने के लिए कहते हैं। पहले तो डोटासरा मना करते हैं। लेकिन बाद में गहलोत उनके रंग-बिरंगे गमछे पर हाथ लगाकर डांस करने के लिए कहते हैं।

सवाई माधोपुर में मालगाड़ी पटरी से उतरी

भरतपुर। राजस्थान में सवाई माधोपुर में दिल्ली-मुम्बई रेलमार्ग पर शनिवार देर रात दिल्ली की तरफ से मुम्बई की तरफ जा रही एक मालगाड़ी का डिब्बा रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के स्थानीय अधिकारी, जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना का जायजा लिया। इस घटना से कोई नुकसान नहीं हुआ। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जैसे ही मालगाड़ी सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन के नजदीक पहुंची उसी समय गंगापुसिटी की तरफ बी केबिन के पास मैन लाइन से लूप लाइन पर लेते वक्त मालगाड़ी के इंजन की ओर से तीसरे नम्बर का डिब्बा पटरी से उतर गया। डिब्बा पटरी से उतरते ही ड्राइवर ने ब्रेक लगाए जिससे ट्रेन मौके पर ही रुक गई। घटना की सूचना मिलते रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और पटरी से उतरे डिब्बे को मालगाड़ी से अलग करवाकर मालगाड़ी को एक तरफ किया।

प्रदेश सरकार कृषि विकास एवं किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य,विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जालौर में किसानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने किसानों की परिवेदनाओं को सुना एवं यथाशीघ्र उचित समाधान करवाने का आश्वासन दिया। पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कृषि विकास एवं किसान कल्याण के लिए संवेदनशीलता से कार्य कर रही है। बजट में किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे है।

पटेल ने कहा कि बजट घोषणा के अनुरूप प्रदेश के किसानों को 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली 6000 रूपए की राशि बढ़ाकर 8000 रूपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिले इसलिए विभिन्न फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भी वृद्धि की गई है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा किसानों के आर्थिक एवं तकनीकी उन्नयन के लिए कृषि यंत्रों,फव्वारा सेट, सिंचाई पाइपलाइन के क्रय, डिग्गी निर्माण एवं खेतों की तारबंदी के लिए सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इन सब्सिडी कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों का आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो रहा है। इस दौरान विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित रहे।

दीया कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को किया पुरस्कृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के विश्व प्रसिद्ध मेयो कालेज गर्ल्स स्कूल के 36वें वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में रविवार को राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दियाकुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाली छात्राओं को पुरस्कृत किया। कालेज परिसर पहुंचने पर दियाकुमारी की गर्मजोशी से अगवानी की गई और घुड़सवार छात्राएं उन्हें समारोह स्थल पर लाई। जहां उन्होंने वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया और छात्राओं को सम्मानित किया। उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से कहा कि मेयो की छात्राओं ने न केवल देश-प्रदेश बल्कि विदेशों में भी देश का नाम रौशन किया है। उन्होंने कहा, छात्राओं के श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए मैं स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों को भी बधाई देती हूं और भविष्य के लिए छात्राओं को शुभकामनाएं देती हूं। इस मौके पर मेयो गर्ल्स प्राचार्य नीति भल्ला और मेयो प्रबंध निदेशक मंडल सदस्य महाराज गजसिंह भी उपस्थित रहे। साथ ही जिला कलेक्टर लोकबंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के अलावा अनेक विशिष्ट जन , अभिभावक भी मौजूद रहे।

गौ सेवा दल ने गौ तस्करी का कंटेनर पकड़ा

भरतपुर। जिले के गहनौली पुलिस थाना क्षेत्र में गौ सेवा दल की तत्परता से गौ तस्करी का एक मामला पकड़ा गया, जिसमें गायों और गौवंश से भरा एक कंटेनर बरामद हुआ। घटना के दौरान गौ तस्करों ने टीम को देखते ही फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में टीम ने गैस गन से चार राउंड फायर किए। तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले, लेकिन कंटेनर में भरी सभी गायों को सुरक्षित भरतपुर की गौशाला में छुड़वाया गया। टीम के प्रभारी सुरज्ञान सिंह मीणा ने बताया कि देर रात करीब 2 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि बर पीपल के पास गौ तस्करों द्वारा गायों को एक कंटेनर में भरा जा रहा है।

विस्तारा की फ्लाइट में बम की धमकी से मचा हड़कंप, ढाई घंटे देरी से रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। रविवार को उदयपुर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर विस्तारा की बैंगलुरू-उदयपुर फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से यात्रियों में हड़कंप मच गया, पिछले चार दिनों में यह तीसरी बार है, जब किसी फ्लाइट को ऐसी धमकी मिली हो। दोपहर 1:20 बजे उदयपुर में फ्लाइट लैंड होने के तुरंत बाद क्रू मेंबर्स ने यात्रियों को सूचित किया कि फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके साथ ही यात्रियों को तुरंत अपने सामान छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाने के निर्देश दिए गए।

क्रू मेंबर्स की इस घोषणा के बाद यात्री तुरंत अपना सामान छोड़कर सुरक्षित स्थान की ओर भागे। डबोक थानाधिकारी चंद्रशेखर किलानिया ने बताया कि सोशल मीडिया पर इस धमकी की जानकारी मिली थी। पुलिस और एयरपोर्ट सिक्योरिटी ने मेटल डिटेक्टर और डॉग स्क्वॉड की मदद से फ्लाइट और यात्रियों के सामान की पूरी जांच की, हालांकि इस दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद फ्लाइट को रवाना किया गया।

विस्तारा की यह फ्लाइट आमतौर पर सुबह 11:20 बजे बैंगलुरू से रवाना होकर दोपहर 1:20 बजे उदयपुर पहुंचती है और 1:55 बजे वापस बैंगलुरू के लिए उड़ान भरती है लेकिन बम की धमकी के कारण सुरक्षा जांच में ढाई घंटे का समय लग गया, जिसके चलते यह फ्लाइट शाम 4:20 बजे बैंगलुरू के लिए रवाना हो सकी।

इससे पहले 24 और 25 अक्टूबर को भी एलायंस एयर और इंडिगो की फ्लाइटस को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी और इन दोनों में भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी, लेकिन चेकिंग के कारण फ्लाइटस को देरी से रवाना करना पड़ा था।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 150वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने कहा

देश में रचनात्मक ऊर्जा की लहर, एनिमेशन की दुनिया में 'मेड इन इंडिया' छाया हुआ है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' की इस कड़ी में 'डिजिटल पर्यटन' की बढ़ रही लोकप्रियता का भी जिक्र किया और युवाओं से अपनी सृजनात्मकता को विस्तार देने की अपील की।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश के रचनात्मक ऊर्जा की एक लहर चल रही है और एनिमेशन की दुनिया में 'मेड इन इंडिया' और 'मेड बाइ इंडियंस' छाया हुआ है। उन्होंने कहा कि एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति की राह पर है जबकि गेमिंग स्पेस का भी यहां विस्तार हो रहा है और वह दुनिया में लोकप्रिय हो रहे हैं।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 150वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर हो रहा भारत, हर क्षेत्र में कमाल कर रहा है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों से भारत को एनिमेशन की दुनिया की वैश्विक शक्ति बनाने का संकल्प लेने का भी आह्वान किया।

छोटा भीम, कृष्णा, हनुमान और मोटू-पतलू जैसे एनिमेशन चरित्रों की लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यह सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दूसरे देश के बच्चों को भी खूब आकर्षित करते हैं और इन्हें चाहने वाले भी दुनियाभर में हैं। उन्होंने कहा, एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति करने की राह पर है। भारत के गेमिंग स्पेस का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। भारतीय गेम्स भी इन दिनों दुनिया-भर में लोकप्रिय हो रहे हैं।

पिछले दिनों भारत के अग्रणी गेमर्स से हुई अपनी मुलाकात को याद करते हुए उन्होंने कहा, वाकई, देश में रचनात्मक ऊर्जा की एक लहर चल रही है। एनिमेशन की दुनिया में 'मेड इन इंडिया' और 'मेड बाइ इंडियंस' छाया हुआ है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय प्रतिभाएं वैश्विक स्तर पर भी गेमिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने स्पाइडर मैन और ट्रांसफॉर्मर्स जैसी फिल्मों में भारतीय एनिमेटर हरि नारायण राजीव के योगदान की चर्चा की और कहा कि अब भारत के युवा मौलिक सामग्री तैयार कर रहे हैं, जो देश की संस्कृति की झलक दर्शाती है। उन्होंने कहा, एनिमेशन क्षेत्र आज एक ऐसे उद्योग का रूप ले चुका है कि जो दूसरे उद्योगों को ताकत दे रहा है।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' की इस कड़ी में 'डिजिटल पर्यटन' की बढ़ रही लोकप्रियता का भी जिक्र किया और युवाओं से अपनी सृजनात्मकता को विस्तार देने की अपील की। उन्होंने कहा, क्या पता दुनिया का अगला सुपर हिट एनिमेशन आपके कम्प्यूटर से निकले! अगला लोकप्रिय गेम आपकी रचना हो। शिक्षा के क्षेत्र में एनिमेशन का आपका नवोन्मेष बड़ी सफलता हासिल कर सकता है।

लखनऊ के 10 होटलों को बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कम से कम 10 बड़े होटलों को ई-मेल के जरिए रविवार को बम विस्फोट कर उड़ाने की धमकी दी गई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक अज्ञात लोगों ने ई-मेल में धमकी दी कि अगर 55,000 अमेरिकी डॉलर की फिरौती की मांग पूरी नहीं की गई तो इन होटलों को विस्फोट कर उड़ा दिया जाएगा। बम विस्फोट की धमकी वाले ई-मेल में लिखा है, आपके होटल के परिसर में काले बैग में बम छिपाए गए हैं। मुझे 55,000 अमेरिकी डॉलर चाहिए, नहीं तो मैं विस्फोट कर दूंगा। खून चारों तरफ फैल जाएगा। बमों को निष्क्रिय करने की कोई भी कोशिश सफल नहीं होगी। 'पीटीआई-भाषा' के पास ई-मेल की एक प्रति है। एक होटल के प्रबंधक ब्रजेश कुमार ने 'पीटीआई वीडियोज' को बताया, हमें सुबह धमकी भरा ई-मेल मिला। एहतियात के तौर पर हमने मामले की सूचना स्थानीय पुलिस थाने को दी और एक टीम मामले की जांच करने आई है। उन्होंने कहा, हमारे पास पहले से ही सभी मेहमानों और उनके सामान को स्कैन करने की व्यवस्था है। फिर भी एहतियात के तौर पर हम होटल की जांच करने में पुलिस की मदद कर रहे हैं।

हताशा-निराशा के युग की जगह आशा-संभावना ने ले ली है : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि देश में हताशा और निराशा के पुराने दौर की जगह अब आशा और संभावना का माहौल है तथा देश वैश्विक स्तर पर एक ताकत के रूप में उभरा है। उन्होंने दावा किया कि सीमाओं के भीतर और बाहर ऐसी ताकतें होंगी जो नहीं चाहेंगी कि भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभरे। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को अपने कदमों से ऐसी ताकतों को जवाब देना होगा।

'कृष्णगुरु इंटरनेशनल स्पिरिचुअल यूथ सोसाइटी' के एक सम्मेलन में धनखड़ ने कहा, दस साल पहले, माहौल हताशा और निराशा का था। अब हम आशा और संभावना का माहौल देख रहे हैं। हमारे महापुरुषों और संतों के योगदान के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक स्तर पर एक शक्ति है। उन्होंने कहा, जब भारत का उत्थान हो रहा है, तो कुछ लोगों को चोट लगना स्वाभाविक है। कुछ लोग देश के भीतर हैं और कुछ बाहर...युवा इन लोगों को अपने अर्जित ज्ञान के माध्यम से जवाब देंगे और और इसका इस्तेमाल राष्ट्र के लिए करेंगे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की आध्यात्मिक शक्ति भारत के उत्थान के केंद्र में है। उन्होंने युवाओं से आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने और उसमें राष्ट्रवाद एवं आधुनिकता की भावना भरने का आह्वान किया। उन्होंने देश की आर्थिक वृद्धि का भी उल्लेख करते हुए कहा, जब आप आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रयास करते हैं, तो हमारे लिए एक और जागृति सामने आ रही है। यह भारत का क्रमिक और निरंतर उत्थान है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत को सदियों तक दबाया गया और अब वह मुक्त हो गया है...एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद है, जहां हर युवा अपनी क्षमता का पता लगा सकता है और आगे बढ़ सकता है।

धनखड़ ने कहा कि विशेष रूप से केंद्र की 'एक्ट ईस्ट नीति' पर ध्यान केंद्रित करने के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र देश में हो रहे विकास का लाभ उठाने के लिए लाभप्रद स्थिति में है। उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर का परिवर्तन समावेशिता की भावना का प्रमाण है। दशकों से इस क्षेत्र को विकास से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। बहुत कुछ किया गया है और काम प्रगति पर है।

सीमा पार घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति स्थापित की जा सकती है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल के लोगों से 2026 के विधानसभा चुनावों में बदलाव लाने का आह्वान करते हुए कहा कि बांग्लादेश से सीमा पार घुसपैठ बंद होने पर ही राज्य में शांति स्थापित की जा सकती है।

पश्चिम बंगाल में पेट्रापोल भू पत्तन पर एक नए यात्री टर्मिनल भवन और एक 'मैत्री द्वार' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम बंगाल के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शाह ने कहा, पश्चिम बंगाल में 2026 में बदलाव लाएं। हम घुसपैठ पर रोक लगाएंगे और राज्य में शांति सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा, क्षेत्र में शांति स्थापित करने में भू पत्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सीमा पार लोगों की वैध आवाजाही की कोई गुंजाइश नहीं होती है, तो आवाजाही के अवैध तरीके सामने आते हैं, जिसका असर देश की शांति पर पड़ता है। घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति आ सकती है।

शाह ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध तथा संपर्क सुधारने में भूमि बंदरगाह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने के बाद से स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कई कदम उठाने शुरू किए।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया, लेकिन बंगाल के लोगों को स्वास्थ्य क्षेत्र में दिए फायदों से वंचित कर दिया गया। यह अभाव 2026 से बंद हो जाएगा। उन्होंने ''भ्रष्टाचार'' के मुद्दे पर राज्य में तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना की।

शाह ने आरोप लगाया कि केंद्र द्वारा पश्चिम बंगाल को भेजी गई निधि का एक बड़ा हिस्सा राज्य में ''भ्रष्टाचार के कारण हड़प लिया गया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में अच्छे दिन 2026 से शुरू होंगे। उन्होंने कहा, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने अपने शासन के दौरान पश्चिम बंगाल को जो दिया था, उसकी तुलना 2014 के बाद से राजग के 10 वर्ष के कार्यकाल से करें। संप्रग सरकार के दौरान राज्य को मनरेगा के तहत 15,000 करोड़ रुपए मिले थे लेकिन राजग सरकार के दौरान यह बढ़कर 54,000 करोड़ रुपए हो गया। राजग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं के तहत राज्य को और निधि दे रही है।

शाह ने आरोप लगाया कि लाभार्थियों के पास जाने के बजाए ''पैसा तृणमूल नेताओं के पास जाता है।

मणिपुर में प्रतिबंधित पीएलए के दो कार्यकर्ता गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर के तेंग्नौपाल जिले में प्रतिबंधित संगठन 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' के दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि असम राइफल्स की एक टीम ने सीमा स्तंभ संख्या 87 के पास से शनिवार को दोनों कार्यकर्ताओं को पकड़ा और फिर उन्हें पुलिस को सौंप दिया। इसमें बताया गया कि दोनों की पहचान एन प्रियो सिंह (21) और एस देवजीत सिंह (21) के रूप में हुई है और उन्हें पल्लेल पुलिस को सौंप दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन 'पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (पीआरईपीएके) के एक सदस्य को भारत-म्यांमार सीमा के पास यांगहोउबुंग गांव से शुक्रवार को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पीआरईपीएके के गिरफ्तार कार्यकर्ता की पहचान रॉबर्ट लालहादम के रूप में हुई है और उसके पास से एक राइफल बरामद की गई है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर जिले के तेइजांग गांव के थांगजिंग रिज के पास तलाश अभियान में पांच राइफल, एक देसी मोर्टार, चार डेटोनेटर और दो ग्रेनेड बरामद किए।

असम में चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम सरकार में चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए रविवार को लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया और इस दौरान राज्य में करीब सात घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद की गईं।

राज्य भर में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं सुबह साढ़े आठ बजे से शाम चार बजे तक निलंबित की गई हैं। पिछले दो महीनों में यह तीसरा मौका है जब मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित की गई हैं।

शुक्रवार को जारी किए गए एक आदेश में कहा गया कि ''स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी लिखित परीक्षा आयोजित कराने तथा सार्वजनिक सुरक्षा पर प्रभाव डालने वाली कानून-व्यवस्था संबंधी घटनाओं को रोकने के लिए'' मोबाइल इंटरनेट, वाई-फाई और मोबाइल डेटा सेवाएं सुबह साढ़े आठ बजे से शाम चार बजे तक निलंबित की गई हैं।

इसमें कहा गया कि इस अवधि के दौरान टेलीफोन लाइन पर आधारित 'ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी' और 'वॉयस कॉल' की सेवाएं चालू रहेगी।

आदेश में कहा गया कि अधिसूचना का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 और भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के प्रासंगिक प्रावधान के तहत दंडनीय होगा।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य स्तरीय भर्ती आयोग (एसएलआरसी) के अंतर्गत हो रही प्रतियोगी परीक्षा 28 जिलों में दो पालियों में आयोजित की जा रही है।

असम सरकार में चतुर्थ श्रेणी के कुल 5,023 पदों पर भर्ती होगी।

राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार शाम को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं।

सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि एनएफआर ने परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन की व्यवस्था की है।

एसएलआरसी के तहत तृतीय श्रेणी के पदों पर लिखित परीक्षा 15 और 29 सितंबर को आयोजित की गई थी और इस दौरान भी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित की गई थीं।

चार वर्ष की बच्ची की हत्या, उसकी ताई एवं तांत्रिक गिरफ्तार

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली जिले में इज्जत नगर थाना क्षेत्र के एक गांव में तांत्रिक क्रिया के लिए चार वर्षीय एक बच्ची की हत्या करने के आरोप में उसकी ताई और एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकरियों ने बताया कि चार वर्षीय बच्ची मिस्टी के परिवार ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद पुलिस ने कार्यवाही की और बच्ची की ताई के घर से उसका शव बरामद किया। उन्होंने बताया कि मिस्टी शिकारपुर चौधरी गांव स्थित अपने घर से शनिवार को लापता हो गई थी, जिसके बाद उसके परिजनों ने इज्जत नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने बताया कि मिस्टी की ताई सावित्री ने किसी को भी अपने घर में प्रवेश करने की अनुमति देने से मना कर दिया था जिसके बाद उसकी गतिविधियां ''संदिग्ध'' पाई गईं। उसने बताया कि पुलिस ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की मदद से मामले की जांच की। पुलिस ने सावित्री के घर पर छापा मारा और बोरवेल के पास एक बोरी में रखा गया मिस्टी का शव बरामद किया।

किसानों को फ्री बिजली देने की बात कहकर मीटर लगा रही सरकार : राकेश टिकैत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

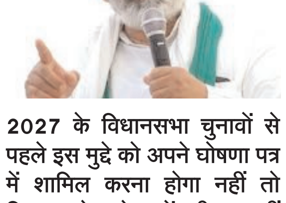

प्रयागराज/भाषा। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने रविवार को यहां एक महापंचायत में कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक वर्ष तक किसानों को फ्री बिजली देने की बात कही थी लेकिन अधिकारियों ने किसानों के खेतों पर मीटर लगाना शुरू कर दिया है। उन्होंने पूछा कि अगर मीटर लग जाएंगे तो फ्री बिजली कैसे आएगी? टिकैत ने यहां मुंडेरा में आयोजित किसान महापंचायत के बाद संवाददाताओं से कहा, अगर मीटर लगाना है तो 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले इस मुद्दे को अपने घोषणा पत्र में शामिल करना होगा नहीं तो किसान के खेत में मीटर नहीं लगेगा। उन्होंने धान की कीमतों को लेकर आरोप लगाया कि पूर्वांचल में जौनपुर, मिर्जापुर और बलिया में 1200 रुपए प्रति क्विंटल के भाव में धान किसानों से लिया जा रहा है।

टिकैत ने कहा कि यही हाल मक्का का है।

भाकियू नेता ने कहा कि अकेले बिहार में एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान फसलों को कम कीमत पर बेचने से किसानों को होता है और यह हाल सभी राज्यों का है।

टिकैत ने आरोप लगाया, सरकार चाहती है कि लोग बंधुआ मजदूर बनकर रहें। यह एक बड़ी साजिश रची जा रही है। यह सरकार देश को श्रमिकों का देश बनाना चाहती है क्योंकि उद्योगों में श्रमिकों की भारी कमी है। उन्होंने कहा, अग्निवीर आने वाले दिनों में गार्ड का काम करेंगे क्योंकि अकेले अदाणी समूह को 25,000 गार्डों की जरूरत है। यह भर्ती (अग्निवीरों की) अडानी के लिए हो रही है। यह देश कृषि प्रधान देश से श्रमिक प्रधान देश बनेगा।

संस्कृत विज्ञान की भाषा, राज्य में फिर से शुरू होंगे गुरुकुल पद्धति के विद्यालय : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ संस्कृत न केवल देववाणी है बल्कि यह विज्ञान की भाषा भी है, जो कंप्यूटर विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमता जैसी आधुनिक तकनीकों में उपयोगी है। संस्कृत की विशेषताएं इसे तकनीकी दृष्टिकोण से सरल और सहज बनाती हैं।

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि संस्कृत न केवल देववाणी है बल्कि यह विज्ञान की भाषा भी है, जो कंप्यूटर विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसी आधुनिक तकनीकों में उपयोगी है।

योगी ने यहां संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रदेश के संस्कृत भाषा के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजना की शुरुआत की। इस अवसर पर प्रदेश के 69,195 संस्कृत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में गुरुकुल पद्धति के आवासीय संस्कृत विद्यालयों को पुनर्स्थापित करने का भी संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री ने संस्कृत भाषा को विज्ञान और तकनीकी शिक्षा की भाषा के रूप में प्रोत्साहित करने की संभावना पर जोर दिया और छात्रों से इसे गंभीरता से अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जो मानवता का पक्षधर है वह संस्कृत का भी हिमायती है। योगी ने पिछली सरकारों के शासनकाल के दौरान संस्कृत शिक्षा को उपेक्षित रखे जाने का आरोप लगाया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, संस्कृत न केवल देववाणी है बल्कि यह विज्ञान की भाषा भी है, जो कंप्यूटर विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमता जैसी आधुनिक तकनीकों में उपयोगी है। उन्होंने कहा, संस्कृत की विशेषताएं इसे तकनीकी दृष्टिकोण से सरल और सहज बनाती हैं। इसीलिए हम संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन के लिए नए प्रयासों की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

योगी ने कार्यक्रम में छात्रवृत्ति योजना का महत्व बताते हुए कहा, पहले संस्कृत के केवल 300 विद्यार्थियों को ही छात्रवृत्ति मिलती थी, उसमें भी आयु सीमा तय करके रखा गया था, लेकिन अब हमारी सरकार ने इसे सभी छात्रों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। प्रदेश में संस्कृत के 69,195 विद्यार्थियों को इस योजना के तहत लाभान्वित किया जाएगा।

टर्निंग पिचों पर खेलने से हमारे बल्लेबाजों का आत्मविश्वास प्रभावित हुआ है : हरभजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि भारत के स्टार बल्लेबाजों ने पिछले कुछ वर्षों में टर्निंग (स्पिनरों की मददगार) पिचों पर खेलने से अपना आत्मविश्वास खो दिया है जिससे उनके घरेलू औसत में गिरावट आई है और उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

भारत 12 वर्षों में अपनी पहली टेस्ट शृंखला हार गया। न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे की टर्निंग पिच पर भारत ने महत्वपूर्ण टॉस गंवा दिया और इसके बाद टीम 156 और 245 रन ही बना सकी। इसमें न्यूजीलैंड के मुख्य स्पिनर मिशेल सैंटनर ने 13 विकेट लिए।

हरभजन ने पीटीआई से कहा, ''आपका घरेलू मैदान पर इतने लंबे समय तक शानदार रिकॉर्ड रहा है और अगर आप हार जाते हैं तो जाहिर है कि चर्चा होगी। न्यूजीलैंड जिस तरह से खेला, उसे उसका श्रेय जाता है और ये विदेशी परिस्थितियां थीं और ऐसी पिच भी नहीं थी जिसमें ज्यादा दरार हो।'' उन्होंने कहा, ''यह स्पिनरों के लिए अनुकूल परिस्थितियां थीं, जहां गेंद को पहले घंटे से ही टर्न लेना चाहिए था।'' हरभजन ने भारतीय टीम की सोचने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा, ''पिछले दशकों के दौरान के चलन को देखें। हम पिछले दशक में ज्यादातर टर्नर पर इस उम्मीद के साथ खेल रहे हैं कि हम टॉस जीतेंगे और 300 रन बनाएंगे और मैच पर नियंत्रत करेंगे।''

ओडिशा के भद्रक में बाढ़ प्रभावित गांव से 24 लोगों को बचाया गया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा आपदा प्रतिक्रिया बल की एक टीम ने भद्रक जिले के एक गांव में चक्रवात 'दाना' के कारण पानी भर जाने से फंसे कम से कम 24 व्यक्तियों को बचाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) के कर्मियों ने तिहिडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ताला गोपबिंधा गांव में शनिवार रात बचाव अभियान चलाया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित फंसे हुए लोगों को 'मोटर बोट' की मदद से बचाया गया और चक्रवात आश्रय स्थल ले जाया गया। इसमें कहा गया है कि उफनती सालंदी नदी में पानी बढ़ने के कारण गांव में बाढ़ आ गई थी, जिसके कारण वे फंस गए थे।

डीआईजी (पूर्वी रेंज) सत्यजीत नाइक ने बचाव अभियान की निगरानी की। बयान में कहा गया, प्राकृतिक आपदाओं के प्रति राज्य की तैयारियों और प्रतिक्रिया ने एक बार फिर लोगों की जान बचाई है और उफनती सालंदी नदी के प्रभाव को कम किया है। चक्रवात दाना ने शुक्रवार सुबह पूर्वी तट पर दस्तक दी थी, जिससे इस इलाके में मूसलाधार बारिश हुई और तेज हवाएं चलीं।

चक्रवात 'दाना' से ओडिशा में 35.95 लाख लोग प्रभावित, अब तक कोई हताहत नहीं : मंत्री

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने रविवार को कहा कि चक्रवात 'दाना' और उसके बाद 14 जिलों में आई बाढ़ के कारण ओडिशा में कुल 35.95 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। पुजारी ने बताया कि 8,10,896 लोगों को 6,210 चक्रवात राहत केंद्रों में पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक प्रभावित जिलों में केंद्रपाड़ा, बालासोर और भद्रक शामिल हैं। मंत्री ने कहा, रविवार सुबह 10:30 बजे तक, निकाले गए लोगों को 1,178 चक्रवात राहत केंद्रों में आश्रय दिया गया तथा उन्हें भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सुविचार

कोई भी व्यक्ति हमारा मित्र या शत्रु बनकर संसार में नहीं आता, हमारा व्यवहार और शब्द ही लोगों को मित्र और शत्रु बनाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डिजिटल अरेस्टः कंगाल करता ठगी का जाल

'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों से लाखों-करोड़ों रुपए की ठगी के मामले इतने ज्यादा बढ़ गए हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में इसका जिक्र किया और बचने के तरीके भी बताए। निश्चित रूप से यह बहुत गंभीर विषय है और प्रधानमंत्री का इस पर चिंता जताना स्वाभाविक है। लोग इतनी मेहनत से रुपए कमाते हैं, उन पर घर-परिवार की जिम्मेदारियां होती हैं, लेकिन साइबर ठग चुटकियों में उनका बैंक खाता खाली कर देते हैं। आश्चर्य होता है कि आम लोगों से लेकर बहुत उच्च शिक्षित तथा उच्च पदों पर कार्यरत / सेवानिवृत्त लोग भी 'डिजिटल अरेस्ट' के झांसे में आ गए! ऐसा कोई दिन नहीं जाता, जब लोग साइबर ठगों के बिछाए इस जाल में न फंसते हों। हालांकि अब जागरूकता बढ़ने से लोग बच भी रहे हैं। सवाल है- जब 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी कोई प्रक्रिया कानून में है ही नहीं, तो लोग इसके नाम पर क्यों ठगे जा रहे हैं? इसकी बड़ी वजह 'जानकारी का अभाव' तो है ही, लोगों के मन में व्याप्त 'डर' भी है। इसे स्वीकार करना पड़ेगा कि शरीफ लोगों के मन में पुलिस का इतना ज्यादा डर होता है कि जब उन पर कोई मुसीबत आती है (चाहे वह पुलिस के वेश में साइबर ठगों द्वारा किया गया झूठा नाटक ही क्यों न हो) तो वे 'कुछ-न-कुछ' देकर अपना पीछा छुड़ाना चाहते हैं। यह हकीकत है। पुलिस और आम जनता के संबंधों में कितना भरोसा है, यह जानने के लिए राह चलते किन्हीं 10 लोगों के साथ कोई सर्वेक्षण कर सकते हैं। ज्यादातर लोग यही कहेंगे कि उन्हें पुलिस के पास जाने से डर लगता है। जब कानून के रखवालों और आम जनता के संबंधों में इतनी खाई होती है तो उसका फायदा साइबर ठग उठाते हैं।

ठगों ने 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर जिन लोगों को लूटा, उन्हें पुलिस, सीबीआई, सीआईडी, ईडी, आरबीआई, उच्चतम न्यायालय आदि के नकली नोटिस भी भेजे थे। इतने सारे 'नोटिसों' की बौछार होगी तो आम आदमी पर क्या बीतेगी? उस समय उसकी स्थिति का अंदाजा लगाने की कोशिश तो करें। वह यही चाहेगा कि किसी भी तरह से जान बचाई जाए, इस 'झमेले' से निकला जाए। साइबर ठग जो झूठे आरोप लगाकर लोगों को डराते हैं, वे कुछ ऐसे होते हैं- 'आपके नाम से पार्सल आया था, जिसमें ड्रग्स हैं ... फर्जी पासपोर्ट निकले हैं ... आपके आधार कार्ड से फर्जी सिम लेकर अपराध किया गया है ... आपके नाम पर फर्जी बैंक खाता खुलवाकर मनी लॉन्ड्रिंग की गई है ...।' जब कोई व्यक्ति कानून का पालन करते हुए ज़िंदगी जी रहा है, उसने ऐसा कोई अपराध किया ही नहीं है तो उसे पुलिस, सीबीआई या किसी अन्य एजेंसी से क्यों डरना चाहिए? इस सवाल पर बात करने का समय आ गया है। पुलिस और एजेंसियों का डर तो अपराधियों के मन में होना चाहिए। जब शरीफ आदमी पुलिस या एजेंसी के किसी अधिकारी को देखे तो उसके मन में निर्भयता की भावना पैदा होनी चाहिए। दुर्भाग्य से आज इसका उलटा हो रहा है। जब (फोन पर) साइबर ठगों की पोल खुल जाती है तो वे बहुत दुस्साहस दिखाते हुए कहते हैं कि 'जिससे शिकायत करना चाहते हैं, कर लें, कोई हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता।' वहीं, आम आदमी अपनी शिकायत दर्ज कराने से भी बहुत झिझकता है। प्राय: वह नजदीकी पुलिस थाने में जाने से पहले ऐसे व्यक्ति को साथ लेना चाहता है, जिसकी वहां कुछ जान-पहचान हो। बेशक ठगी के कई मामलों में पुलिस ने कार्रवाइयां की हैं, पीड़ितों को उनका हक दिलाया है। इसके साथ यह सवाल पूछना जरूरी है कि कितने पीड़ितों को उनका हक मिलना बाकी है? चूंकि जो रकम साइबर ठग किसी के बैंक खाते से उड़ाते हैं, वह कुछ समय तक रहती तो उसी तंत्र में है। अगर बैंकों का डिजिटल सुरक्षा तंत्र मजबूत किया जाए, नए खाते से आई रकम की निकासी के नियम कुछ सख्त कर दिए जाएं और पुलिस भी फुर्ती दिखाए तो साइबर ठगी पर काफी हद तक लगाम लगाई जा सकती है। बैंकों और डिजिटल पेमेंट मंचों को ग्राहकों का भरोसा बरकरार रखने के लिए 'सुरक्षा एवं निजता' से जुड़े नियमों में कुछ जरूरी बदलाव करने होंगे।

ट्वीटर टॉक

स्पर्श हिमालय महोत्सव - 2024 में शामिल होने के बाद पूरे विश्वास से कह सकता हूँ कि आदरणीय डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी का प्रयास रंग लाया है। वे स्वयं कवि हैं और इसलिए जानते हैं समाज में बौद्धिकता को बढ़ावा देना भी संस्कृति का संरक्षण है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भुवनेश्वर प्रवास के दौरान रामा फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं से संवाद किया। धर्म और आध्यात्म की धरती ओडिसा अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए विशेष पहचान रखती है। यहाँ की परंपराएं और लोक कलाएं ऐतिहासिक महत्व को दर्शाती हैं।

-ओम बिरला

जनसेवा हेतु आजीवन समर्पित रहे, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं लोहागढ़ के विकास पुरुष आदरणीय डॉ. दिगम्बर सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण नमन। प्रदेश की प्रगति और समाज की सेवा हेतु किये अपने अभूतपूर्व कार्यों व प्रयासों के लिए आप सदैव स्मरणीय रहेंगे।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

हर स्त्री में मां

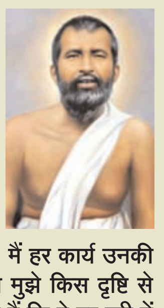

आध्यात्मिक जीवन में डूबने के बाद स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने गृहस्थ जीवन का परित्याग कर दिया। कालांतर में उनकी पत्नी शारदा मणि महज उनकी शिष्या के रूप में रहीं। वे तेरह साल तक अपने पीहर में रहीं। वे भी गंभीर धार्मिक प्रकृति की थीं। स्वामी रामकृष्ण जब लंबे अंतराल के बाद अपने गांव पहुंचे तो शारदा मां भी ससुराल पहुंची। एक दिन उन्होंने स्वामी जी से पूछा, 'जब आपने अपना समस्त जीवन काली मां को समर्पित करना था तो विवाह क्यों किया?' तब रामकृष्ण परमहंस बोले, 'निस्संदेह, मैं हर कार्य उनकी आज्ञा से करता हूं।' मां शारदा ने प्रतिप्रश्न किया 'फिर आप मुझे किस दृष्टि से देखते हैं?' तब स्वामी रामकृष्ण ने कहा कि 'मां काली कहती हैं कि वे हर स्त्री में रहती हैं। इस दृष्टि से तुम भी मेरे लिये मां स्वरूप ही हो।' मां शारदा अपने पति की आस्था व समर्पण से अभिभूत हुईं। मां शारदा को स्वामी जी की पहली शिष्या के रूप में मान्यता मिली है।

सामयिक

दीप-माला से अज्ञानता के गहन अंधकार को मिटाएं

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

दीपावली आशाओं के दीप जलाकर निराशा के अंधियारे को मिटाने का अवसर है। सकारात्मक सोच और अच्छे परिणाम की आशाओं को को लेकर कठिन परिश्रम और मनोबल के साथ जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति करना ही दीपावली मनाने का सत्यार्थ प्रयोजन है। दीपावली का हर दीपक आशाओं का आकांक्षाओं का और महत्वाकांक्षाओं के निहितार्थ होता है। श्रम से अपने सभी प्रयास सफल कर हर उस आकांक्षा को फलिभूत करना होगा जिसकी हमने परिकल्पना की थी। आओ हम सब मिलकर आशाओं के दीप जलाएं खुशियों की दीपावली को द्विगुणित करें। पौराणिक कथाओं के अनुसार दीपावली भगवान रामचंद्र जी 14 वर्षों के वनवास के बाद समस्त बुराइयों के प्रतीक रावण के वध के पश्चात अयोध्या लौटने पर इनका अयोध्या वासियों द्वारा घी की दीपमालाओं को नगर में कतार में लगाकर स्वागत किया गया था। राजा रामचंद्र जी सद्गुणों, अच्छाइयों, धैर्य, संयम और देव तुल्य सद्गुणों के न सिर्फ प्रतीक माने जाते हैं बल्कि स्वयं सिद्ध देवता भी हैं, जिन्होंने संपूर्ण जगत को रावण जैसी अनंत बुराइयों से मुक्त कराया था। आज उसी परंपरा पारीपाटी कों शिरोधार्य करते हुए मेहनतकश कुम्हारों और मां धरती की मिट्टी से बने पवित्र दीपों से उद्दीप्त करके समस्त सद्गुणों को द्विगुणित करने के लिए यह त्यौहार समस्त ऊर्जा और उत्साह से मनाते हैं। जगत वासी एक दूसरे से मिलकर बुराइयों के प्रतीकों को नष्ट करने का संकल्प लेकर एक दूसरे का मुंह मीठा भी कराते हैं, एवं औपचारिक तौर पर एक-दूसरे को उपहार देने का उपक्रम भी किया जाता है। गहन तमस पर उजाले की जीत का पर्व ही दीपावली है। सही मायने में दीपावली में हमें अपने घरों को माटी के दीपों से उज्ज्वल इत कर अपने व्यक्तित्व को ज्ञान के दीप से उद्दीप्त करना चाहिए। ऋषि मुनि ऐसा कह गए हैं कि शरीर को एक दिन इसी माटी में मिल जाना है और व्यक्तित्व तथा मस्तिष्क के ज्ञान की जो अविरल धारा आपके जीवन में बहेगी वह अनवरत कई पीढ़ियों तक सुदीप्त होती रहेगी, मनुष्य का जीवन अत्यंत अनमोल है इसी तरह जीवन में प्रकाश भी चाहे वह दीपों से हो या ज्ञान से हो जीवन को प्रकाशमान करते रहना होगा। दीपावली मूलतः प्रकाश का त्यौहार है। पौराणिक कथाओं के अनुसार धन, समृद्धि, विघ्न हरण एवं ऐश्वर्य के प्रतीक भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी की श्रद्धा पूर्वक पूजा करते हैं एवं दीपावली के एक दिन पूर्व धनत्रयोदशी या धनतेरस अति शुभ माना जाता है।

इस दिन लोग स्वर्ण अथवा रजत के आभूषण खरीदना अत्यंत शुभ लक्षण मानते हैं। इसके पीछे भी एक पौराणिक कथा है माना जाता है कि समुद्र मंथन के पश्चात लक्ष्मी जी की इसी दिन से उत्पत्ति हुई थी, इसीलिए इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा धूमधाम से की जाती है। समुद्र मंथन से ही धनवंतरी जिन्हें औषधि विज्ञान का अविष्कारक माना जाता है की उत्पत्ति कार्तिक मास की त्रयोदशी मुहूर्त में हुई थी, इसीलिए धनवंतरी के नाम पर धनतेरस पर्व रखा गया है। पश्चिम बंगाल के लोग दीपावली को काली पूजा के रूप में मानते हैं वहां बड़े-बड़े एवं भव्य पंडालों के भीतर मां काली की प्रतिमा स्थापित की जाती है काली की पूजा के बाद वहां लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। सही मायने में दीपावली का अपना धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। किंतु दीपावली के इस परंपरागत पवित्र त्यौहार में कुछ लोग अपने ऐश्वर्या का प्रदर्शन करने के लिए हजारों, लाखों रुपए के पटाखे छोड़कर वायु को प्रदूषित करते हैं, जो वायुमंडल के लिए अत्यंत खतरनाक होती है।

इस त्यौहार की सबसे बड़ी कमी इस बात की होती है कि लोग इस दिन जुआ खेलते हैं जो एक सामाजिक बुराई भी है। दीपावली का त्यौहार अंधकार पर प्रकाश की विजय के अपने संदेश को सार्थक करता नजर आता है। आज हमें अपनी व्यक्तित्व से और सामाजिक से बुराइयों को दूर कर अच्छाइयों को साथ लेकर चलने से यह दीपोत्सव का पर्व सचमुच सार्थक हो जाएगा। दीपावली की पुनः शुभकामनाएं।

विशेष

आयुर्वेद दिवस की सार्थकता

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

भारतीय सामाजिक जीवन में उत्सवों-पर्वों की एक अटूट परम्परा सदियों से विद्यमान है। दीपावली के दो दिन पूर्व मनाये जाने वाले धनतेरस की प्राचीनता भी निर्विवाद है। सन 2016 में माननीय प्रधानमंत्री जी ने इसे 'आयुर्वेद दिवस' घोषित कर दिया था। आयुर्वेद दिवस के रूप में संज्ञापित होकर इसका देश-देशान्तर में क्षेत्र विस्तार ही नहीं हुआ, बल्कि यह अपने मूल मन्तव्य पर पुनर्स्थापित भी हो गया। वास्तव में धनतेरस एक तद्भव शब्द है, जो 'धन्वन्तरि त्रयोदशी' के बिगड़ने से बना है। भागवत पुराण के एक प्रसंग के अनुसार, कार्तिक कृष्णपक्ष त्रयोदशी को समुद्र मंथन से धन्वन्तरि महाराज अमृत कलश के साथ अवतरित हुए थे। इसी की स्मृति में धन्वन्तरि त्रयोदशी' का पर्व अस्तित्व में आया था। धन्वन्तरि महाराज पृथ्वी के आदि वैद्य हैं। अपने आरम्भिक रूप में यह स्वस्थ जीवन की कामना का पर्व था। निरोग शरीर ही जीवन का सबसे बड़ा धन है। आर्ष चिन्तन समस्त सुख-सम्पदा के समक्ष स्वस्थ जीवन को सर्वोपरि स्थान प्रदान करता है। इसलिए दिवाली के पर्वों की शृंखला में इसका प्रथम स्थान है।

इस पर्व पर पात्र क्रय की परम्परा भी पुरातन है। किन्तु तब यह धन्वन्तरि के अमृत-कलश से अनुप्रेरित थी। इसका निहितार्थ स्वास्थ के लिए आसव-अरिष्ट संचय हेतु पात्र की उपलब्धता से था। भारतीय पौराणिक वांगमय में धन्वन्तरि को आयुर्वेद का जनक माना गया है। प्राचीन आर्ष ग्रंथों में काशीराज, दिवोदास, नकुल और सहदेव धन्वन्तरि के पूर्ण अथवा आंशिक अवतार के रूप में चर्चित हैं। कश्यप और सुश्रुत संहिताओं में भगवान धन्वन्तरि को रोगों से मुक्ति दिलाने वाला देव कहा गया है। धन्वन्तरि ने अष्टांग आयुर्वेद का प्रवर्तन किया और विश्वामित्र के पुत्र सुश्रुत सहित आठ शिष्यों को इसके प्रसार का दायित्व प्रदान किया था। कालान्तर में धन्वन्तरि की एक परम्परा विकसित हो गई थी। योग्य आयुर्वेदाचार्य धन्वन्तरि कहे जाने लगे थे। धन्वन्तरि परम्परा के अन्तर्गत आयुर्वेद ने औषधि विज्ञान को इतना व्यापक बना दिया था कि उस समय ऐसा कोई रोग नहीं था, जिसकी चिकित्सा इस शास्त्र में न रही हो। प्राचीन उल्लेखों से ऐसे संकेत मिलते हैं कि यहाँ इतने गुणी और निपुण चिकित्सक थे, जिनकी ख्याति देश-विदेश में व्याप्त थी। यूनान, मिश्र, रोम, फारस तक के रोगी इनके यहाँ चिकित्सा के लिए आते थे।

प्राचीन काल में 'धन्वन्तरि त्रयोदशी' को वैद्यगण विधि-विधान से भगवान धन्वन्तरि की सामूहिक पूजा-अर्चना करते थे। आयुर्वेद के विकास के सम्बन्ध में गंभीर गोष्ठियों के आयोजन होते थे, जिसमें वैद्य लोग अपनी समस्याओं और अनुभवों का आदान-प्रदान करते थे। गाँव के बड़े-बूढ़े लोग परम्परा से प्राप्त गुप्त औषधियों का ज्ञान इसी दिन परिवार, पड़ोस अथवा सुयोग्य व्यक्ति को को देते थे।

उन्नीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध तक आयुर्वेद और धन्वन्तरि विषयक परम्पराएं सुदृढ़ थीं, किन्तु उत्तरार्द्ध के दशकों में आयुर्वेद की महिमा क्षीण होने लगी थी। वास्तव में इस समय तक भारतीय समाज में पश्चिम से आयातित शिक्षा में दीक्षित एक ऐसा वर्ग तैयार हो गया था, जो देसज ज्ञान-विज्ञान को हेय दृष्टि से देखता था। इनके लिए पाश्चात्य परम्पराएं स्तुत्य और मान्य थीं। फलस्वरूप अंग्रेजों के साथ आई तात्कालिक लाभ देने वाली 'एलोपैथी' की आंधी में देर से किन्तु, जड़ से रोग निवारण करने वाली आयुर्वेद की सदियों पुरानी जड़ें छिन्न-भिन्न होने लगीं। ऋतु परिवर्तन के साथ आहार-व्यवहार में बदलाव की संस्कृति हेय बन गई। ऐसी स्थिति में प्रकृति के अनुशासन में बंधकर जीवन जीने का संदेश देने वाले आयुर्वेद की अर्थवत्ता समाप्तप्राय हो गयी। बस, इस अवसर पर पात्र क्रय और 'यम दीपक' जैसी लोक जीवन में गहरी पैठ रखने वाली परम्पराएं ही बची रह गईं। बाद में गुलामी के लम्बे काल खण्ड और विदेशी विचारों ने हमारी गौरवयुक्त परम्पराओं व मान बिंदुओं पर धुंध की चादर तान दी। परिदृश्य इतना अदृश्यता की परिधि में आ गया कि हमें अपने गौरव, ज्ञान या मान का आदर ही न रहा। हर क्षेत्र में विदेशी दृष्टि से देखा जाना ही प्रगतिशीलता का प्रतीक बन गया। हमारी परम्परा में ज्ञान का वास था, वह हमारे लोक का अटूट हिस्सा थी। उससे हमारी रीति-नीति का निर्धारण होता था। यह व्यवस्था खत्म हुई तो बाजार की ताकतें मूल्य तय करने लगीं। परिणामतः 'धन्वन्तरि त्रयोदशी' धनतेरस बनकर पिछले पचास साल से सीधे-सीधे खरीदारी का उत्सव बन गया था।

यह एक सुयोग है कि मोदीजी ने प्रधानमंत्री बनने के साथ ही देसज ज्ञान-विज्ञान के पुनर्स्थापन और पुर्ननवीकरण पर ध्यान देना शुरू किया। योग और आयुष उनके एजेंडे में प्रमुख स्थान रखते थे। पहले उन्होंने 'योग दिवस' के बहाने दुनिया में योग का जनाधार प्रबल किया, फिर आयुर्वेद, यूनानी, प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्ध, होम्योपैथी पर सकारात्मक निर्णय लिया। इससे विश्व स्वास्थ्य संगठन भी प्रभावित हुआ और उसने ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना के लिए भारत को चुना। इसकी स्थापना के बाद दुनिया में पुरातन भारतीय चिकित्सा पद्धति को नई और सशक्त पहचान मिली।

वैसे भी पिछले कुछ वर्षों से एलोपैथी के साइड इफेक्ट और रिएक्सन से आक्रांत विश्व मानस आयुर्वेद की तरफ झुक रहा था। पश्चिम के चिकित्साशास्त्री भी स्वीकारने लगे थे कि आयुर्वेद मनो-दैहिक स्तर पर स्वस्थ्य जीवन देने वाली एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति है। इसके साथ ही बहुराष्ट्रीय औषधि कम्पनियाँ भारत की जैव विविधता और वनस्पतियों को लेकर विशेष दिखने लगीं। देश के परम्परागत ज्ञान की चोरी भी आरम्भ हो गई। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने परम्परागत रूप से ठेठ देसी दस हजार पेटेंट अपने पक्ष में करा लिये। इसमें से नीम, हल्दी और बासमती को लम्बी मुकदमेबाजी के बाद वापस कराया जा सका है। हालांकि अब 'आयुष मंत्रालय' और 'विज्ञान एवं औद्योगिक अनुसंधान केंद्र' संयुक्त रूप से देशज चिकित्सकीय ज्ञान के डिजिटलीकरण में लगे हैं, मगर इससे अतिक्रमण की चुनौती पूर्णरूपेण समाप्त नहीं हुई है।

यहीं 'आयुर्वेद दिवस' की विशेष सार्थकता है। यह संवाद के नए-नए अवसर देगा। भारतीय संस्कृति में सामाजिक संवाद ही वह शक्ति रही है, जिसके माध्यम से प्राचीन ज्ञान-विज्ञान अक्षुण्ण रह पाया है। 'आयुर्वेद दिवस' से निःसृत संवाद एवं चिन्तन धन्वन्तरी और आयुर्वेद को जन जीवन के मध्य संस्कृति के अभिन्न अंग के रूप में मान्य बनाएगा। यह चेतना विकसित हो जाएगी तो संवाद की धारा के बीच हम अपनी परम्परा, विश्वास और मान्यताओं के निहितार्थ को सही पहचान के साथ जीवन में प्रतिष्ठित कर लेंगे। फिर हमारे ज्ञान और परम्परा को लूटने वालों को कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि सांस्कृतिक अस्मिता के रक्षार्थ लड़ने वालों को ढूंढना नहीं पड़ता, बल्कि यह अखंड आत्मबल के साथ प्रखर शक्ति बनकर स्वयं सामने आते हैं।

नजरिया

नायब सिंह के सामने अब 'नायाब' होने की चुनौती

सुशील कुमार 'नवीन'
मोबाइल : 96717 26237

लाडवा (कुरुक्षेत्र) से विधायक नायब सिंह सैनी ने अपने 13 सिपहसालारों के साथ हरियाणा के नए मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। मंत्रियों के विभाग आवंटन फूंक- फूंक कर किए गए है। कोशिश की गई है कि किसी तरह की नाराजगी सामने न आने पाए। प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में यह उनका दूसरा कार्यकाल है। वे 11वें ऐसे नेता हैं जिन्हें मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। नायब सिंह से पहले मनोहर लाल भाजपा से दो बार मुख्यमंत्री का दायित्व निर्वहन कर चुके हैं। गुजरात के बाद हरियाणा ऐसा राज्य बना है, जहां भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने का गौरव हासिल हुआ है। वो भी ऐसी स्थिति में जहां प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने की उम्मीद पर काफी चिल्लम पौ मची हुई थी। खैर अब इस पर चर्चा करना वक्त से बेमानी है। भाजपा सत्ता में आ गई है और नायब सिंह ने टीम सहित दायित्व ग्रहण कर लिया है। जरूरत है अब जनता के द्वारा अनमोल गिफ्ट के रूप में दी गई सत्ता के संचालन का। फिलहाल भाजपा यह कह सकती है कि प्रदेश में किसी प्रकार की एंटी इनकम्बेंसी नहीं थी। जनता ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है। पर चुनावों में एंटी इनकम्बेंसी नहीं थी, इस बात से इनकार भी नहीं किया जा सकता है। जब भी कोई पार्टी ज्यादा समय तक सत्ता में रहती है तो उससे खुश होने वाले कम और नाराजगी वाले ज्यादा होते हैं। बदलाव समय की प्रक्रिया है। प्रदेश में भाजपा का यह तीसरा काल है। लोकसभा चुनाव में सत्ता विरोधी लहर का कांग्रेस का पूरा फायदा मिला था, पर विधानसभा चुनाव में भाजपा अपने कुशल प्रबंधन से फिर से सत्ता में लौट आई। अब समय जो एंटी इनकम्बेंसी चुनावों के दौरान दिखाई दी थी, उसे अब पॉजिटिविटी में बदलना है।

चुनावों के समय भाजपा का खुले रूप में सबसे ज्यादा विरोध करने वाला वर्ग कर्मचारियों का हैं। प्रदेश में करीबन पौने तीन लाख सेवारत कर्मचारी हैं। इसमें यदि डेढ़ लाख पेंशनर और मिला दिए जाएं तो संख्या पांच लाख पार हो जाती है। कर्मचारी वर्ग विशेषकर पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू करने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाता रहा है। लोक सभा चुनाव में भी कर्मचारी संगठनों ने इसे खूब भुनाया। विधानसभा चुनाव में भी कर्मचारी वर्ग भाजपा से नाखुश दिखा। लोहारू, आदमपुर, रोहतक जैसी सीट बहुत कम अंतर से रही है। इनमें भी कर्मचारी वर्ग का बड़ा रोल है। बैलेट पेपर में भी भाजपा की मत प्रतिशतता पचास फीसदी ही रही है। इस वर्ग को भी अपने साथ जोड़ना आने वाले समय के लिए नायब सरकार के लिए जरूरी है। 2020-2021 में दिल्ली की सीमाओं पर चले किसान आंदोलन का असर भी इस चुनाव में खूब दिखा। उस दौरान किसानों पर लाठीचार्ज, मुकदमे और आंदोलनकारी किसानों की मौत से एक बड़ा वर्ग सत्ताधारी भाजपा से नाराज दिखा। इसका असर लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिला। 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीतने वाली भाजपा 5 सीटों पर सिमटकर रह गई। किसान आंदोलन का असर हरियाणा के कई विधानसभा सीटों पर देखने को मिला। भाजपा नेताओं को

किसान वर्ग के गुस्से का भी शिकार होना पड़ा। किसानों को भी अपने साथ जोड़ने के लिए नायब सरकार को सकारात्मक होना पड़ेगा। चुनाव में बेरोजगारी भी बड़ा मुद्दा था है। कांग्रेस के संकल्प पत्र में पार्टी ने सरकार बनने पर 2 लाख पक्की नौकरी का वायदा किया था। वहीं भाजपा ने भी दो लाख युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी और पांच लाख युवाओं को अन्य रोजगार के अवसर एवं नेशनल अप्रेंटिशिप प्रमोशन योजना से मासिक स्टाइपेंड देने की घोषणा की हुई है। कांग्रेस नेताओं के पर्ची खर्ची बयानों पर भाजपा बिना पर्ची बिना खर्ची का नारा देकर युवा गर्ग को अपने साथ जोड़ने में कामयाब रही है। शपथ से पूर्व 24 हजार पदों का रिजल्ट निकालकर नायब सरकार ने जबरदस्त सिक्सर मारा है। युवा वर्ग में योग्यता पर नौकरी के विश्वास को नायब सरकार को बनाए रखना होगा। नायब सरकार से पूर्व दो बार की मनोहर सरकार के समय कुछ बड़े घटनाक्रमों ने पूरे हरियाणा को हिलाया था। नवंबर 2014 में संत रामपाल गिरफ्तारी प्रकरण, फरवरी 2014 में जाट आंदोलन प्रकरण, अगस्त 2017 में डेरामुखी की गिरफ्तारी से उपजी हिंसा और जुलाई 2023 में नूंह हिंसा और तोड़फोड़ की बड़ी घटनाएं कभी भूली जाने वाली नहीं है। ये तो मनोहर लाल की पार्टी कैडर में अच्छी मजबूती रही, अन्यथा इस तरह की एक ही घटना मुख्यमंत्री बदलवा देती। इस तरह को कोई घटना क्रिएट न हो, इसके लिए प्रशासनिक मजबूती पर विशेष ध्यान रखना होगा। क्योंकि सरकार तो अफसर चलाते हैं। अफसरों की ढिलाई बने बनाए काम को बिगाड़ते देर नहीं लगाएगी। ऐसे में नायब सिंह को सबसे पहले अपनी टीम को मजबूत बनाना होगा। पिछली टीम मनोहर टीम थी, अब उसकी जगह नायब टीम बनानी होगी। हरियाणा के जाट और किसान भाजपा से नाराज रहे हैं। इस फैक्ट से भाजपा पूर्ण रूप से वाकिफ है। ये दोनों वर्ग प्रदेश के बड़े वर्ग हैं। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। जाट, गैर जाट का ध्रुवीकरण हमेशा फायदा नहीं दे सकता। परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आई डी की त्रुटियों को भी विपक्ष ने खूब भुनाया है। इन्हें सुधारने में हालांकि भाजपा सरकार ने काफी प्रयास भी किए हैं, पर अभी भी ये नाकाफी है। सबसे आखिरी और प्रमुख ध्यान अपने विधायकों और मंत्रियों के वर्किंग स्टाइल पर रखना होगा। इसे लेकर भी लोगों में काफी नाराजगी रही। अपने 9 वर्ष से अधिक के कार्यकाल में मनोहरलाल केंद्र के समक्ष 'मनोहर' रहने में कामयाब रहे। अब नायब की बारी है, उन्हें मनोहर काल से अलग काम करके दिखाना होगा तभी वो नायब से 'नायाब' (उत्कृष्ट) बन पाएंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मन की बात

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान रविवार को रांची के कांके विधानसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनते हुए।

अमेरिका : राष्ट्रपति पद के चुनाव में आव्रजन अहम मुद्दा बनकर उभरा

अटलांटा/भाषा

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में महज नौ दिन बचे हैं, ऐसे में आव्रजन प्रचार अभियान में एक अहम मुद्दा बना हुआ है और भारत सहित विभिन्न दक्षिण एशियाई देशों के आप्रवासियों को डर है कि रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के जीतने पर उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान दिए भाषणों में राष्ट्रपति चुने जाने पर न सिर्फ वाशिंगटन की आव्रजन नीतियों को सख्त बनाने का वादा किया है, बल्कि अमेरिकी इतिहास में बिना दस्तावेज वाले आप्रवासियों का सबसे बड़ा घरेलू निर्वासन अभियान चलाने और मौजूदा शरणार्थी कार्यक्रमों की समीक्षा करने का संकल्प भी लिया है। पूर्व राष्ट्रपति ने अमेरिका में अवैध रूप से रहने वाले अप्रवासियों के बच्चों के लिए जन्मसिद्ध नागरिकता के प्रावधान को समाप्त करने का भी वादा किया है, जिससे भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान सहित विभिन्न देशों के आप्रवासियों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

आप्रवासन समर्थक समूहों ने आव्रजन पर बयानबाजी को लेकर ट्रंप की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने का संकल्प कानूनी रूप से सवालों के घेरे में है, क्योंकि यह (जन्मसिद्ध नागरिकता) अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन में निहित है।

वहीं, डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी अवैध आव्रजन को कम करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा है कि अमेरिकी आव्रजन प्रणाली चरमरा गई है और इसे दुरुस्त करने के लिए विधायी उपाय किए जाने की जरूरत है।

ट्रंप (78) ने इस हफ्ते एक चुनावी रैली में हैरिस (60) पर आप्रवासी गिरोहों और अवैध विदेशी अपराधियों को अमेरिका में लाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था, आप्रवासी गिरोहों को अमेरिका लाने की उनकी नीति हमारे देश के खिलाफ एक अपराध है।

अटलांटा में एक दशक से अधिक समय से रह रहे बांग्लादेशी मूल के ग्रीन कार्ड धारी मोहम्मद इकबाल ने कहा, यह एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है और हम ट्रंप की जीत के बाद के संभावित परिणामों को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा, ट्रंप की नीतियां विभिन्न आप्रवासी समुदायों में दहशत पैदा कर रही हैं और यही कारण है कि वे उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन कर रहे हैं।

वहीं, जॉर्जिया में 'फेडरेशन ऑफ इंडियन-अमेरिकन्स' के महासचिव वासुदेव पटेल का कहना है कि ट्रंप अमेरिका में पढ़े-लिखे और शांति पसंद लोगों का स्वागत करना चाहते हैं। प्यू रिसर्च की एक सर्वे रिपोर्ट से पता चलता है कि राष्ट्रपति चुनाव के दोनों उम्मीदवारों के समर्थक सामूहिक निर्वासन के मसले पर जुदा राय रखते हैं, लेकिन सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर वे एकमत हैं।

व्यवसायी राज कुंद्रा अपनी पत्नी शिल्पा शेट्टी के साथ फिल्म निर्माता रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी में शामिल हुए।

इजराइल के ईरान पर हमले से वास्तव में क्षेत्रीय तनाव में कमी आई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिशिगन। इजराइल ने 26 अक्टूबर, 2024 को हवाई हमले कर ईरान, इराक और सीरिया में लगभग 20 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। इसकी आशंका कई सप्ताह से थी। दरअसल, यह काईवाई अक्टूबर की शुरुआत में तेहरान द्वारा किए गए बैलिस्टिक मिसाइल हमले के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से बदला लेने की चेतावनी के बाद की गई। यह कदम उस पैटर्न का अनुसरण करता है जिसमें ईरान और इजराइल बारी-बारी से उस स्थिति को आगे बढ़ाते हैं जो लंबे समय तक एक 'छाया युद्ध' था, लेकिन अब यह प्रत्यक्ष टकराव में बदल गया है।

इन प्रतिशोधात्मक हमलों से व्यापक भय उत्पन्न हो गया कि समूचा क्षेत्र और अधिक उग्र चरण में प्रवेश करने को तैयार है। लेकिन, भले ही यह विरोधाभासी लगे पर मेरा मानना है कि हाल ही में हुए इजराइली हमलों ने तनाव को कम किया है। ऐसा क्यों हुआ, यह समझने के लिए, इजराइली अभियान की प्रकृति और पैमाने का विश्लेषण करना ज़रूरी है। साथ ही हमले के बाद इजराइल, ईरान और अमेरिका में निर्णय लेने वालों के संभावित रुख का भी विश्लेषण करना जरूरी है।

ईरान द्वारा अक्टूबर में किया गया हवाई हमला, ईरान के छद्म समूह हिजबुल्ला के विरुद्ध इजराइली अभियानों की श्रृंखला का प्रतिशोध था। इनमें जुलाई में ईरान के नए राष्ट्रपति के शपथग्रहण की पूर्व संध्या पर तेहरान में हमास के एक उच्च पदस्थ अधिकारी की हत्या तथा सितंबर के अंत में हिजबुल्ला के नेता की हत्या शामिल है। इसी प्रकार, अप्रैल में ईरान द्वारा इजराइली ठिकानों पर किया गया हवाई हमला, इस वसंत में इजराइली उकसावे के जवाब में किया गया था। इसमें एक अप्रैल को सीरिया के दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमला भी शामिल था, जिसमें दो वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मारे गए थे।

कई पर्यवेक्षकों ने अनुमान लगाया था, या आशंका जताई थी कि ईरान के अक्टूबर के मिसाइल और ड्रोन हमले पर इजराइल की प्रतिक्रिया भारी और दंडात्मक होगी। हालांकि इजराइल के पास निश्चित रूप से ऐसा करने की सैन्य क्षमता है। लेकिन ईरान में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे या देश की परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाने के बजाय, इजराइल ने इस्लामी गणराज्य की वायु रक्षा और मिसाइल क्षमताओं पर 'सटीक और लक्षित' हमले का विकल्प चुना। इजराइली अभियान का कुछ सीमित दायरा यह दर्शाता है कि यह हमला ईरान के सर्वोच्च नेता और ईरानी सैन्य कमांडरों को एक कड़ा संदेश भेजने के लिए किया गया था।

सम्मान समारोह

श्रीनगर में रविवार को 'मेधावी छात्र सम्मान समारोह' कार्यक्रम में जम्मू और कश्मीर राज्य विद्यालय शिक्षा बोर्ड के छात्र।

'दीपोत्सव' अब कुम्हारों के लिए एक नई सुबह लेकर आया, अगली पीढ़ी के लिए उम्मीद

लखनऊ/भाषा। हाल के वर्षों में दीपोत्सव एवं अन्य वजहों से मिट्टी के दीयों की उस परम्परा में नई जान सी आ गई है, जो कभी समाप्ति के कगार पर थी।

मिट्टी के दीयों की ओर बढ़ते रुझान के कारण इस विधा से जुड़े कुम्हारों के जीवन में न केवल आशा की नई किरण जगी है, बल्कि यह अगली पीढ़ी के लिए भी उम्मीद जगा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2017 से अयोध्या में बड़े पैमाने पर दीपोत्सव की शुरुआत की थी। इसके बाद वहां के भव्य आयोजन के समान ही विभिन्न शहरों में मिट्टी के दीयों से दीपावली मनाने की परंपरा एक बार फिर जीवंत हो गई। इसके कारण मिट्टी के दीयों की न केवल मांग बढ़नी शुरू हुई, बल्कि इसकी लोकप्रियता भी हाल के वर्षों में साल-दर-साल बढ़ी तथा कुम्हारों की नई पीढ़ी भी इस पेशे के प्रति आकृष्ट हुई है।

माटीकला को पेशे के तौर पर अपनाने वाले सचिन प्रजापति इस बदलाव के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। इंजीनियरिंग छोड़कर वह अपने पूर्वजों के कारोबार और अपनी जड़ों की ओर लौट आए तथा उन्होंने दीया एवं कुल्हड़ सहित माटीकला के उत्पादों से संबंधित एक 'वर्कशॉप' की स्थापना की।

सचित ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, मेरा लक्ष्य माटीकला से बने दैनिक उपयोग के उत्पादों के साथ बाजार में एक खास प्रभाव डालना है।

वह अन्य स्थानीय कुम्हारों के साथ सहयोग स्थापित करने, कौशल विकास को बढ़ावा देने और इस कला की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

'सीआईडी' के नये सीजन का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

लोकप्रिय जासूसी सीरियल सीआईडी के नये सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। जासूसी सीरियल सीआईडी सोनी एंटरटेनमेंट टेलिविजन पर फिर से शुरू होने जा रहा है,जिसके साथ ही उसके पसंदीदा किरदारों की भी वापसी हो रही है जिन्हें फैंस दो दशकों से अधिक समय से पसंद करते आए हैं। ट्रेलर में एक अकल्पनीय ट्विस्ट भी दिख रहा है। अभिजीत और दया, जो कभी अभिन्न दोस्त थे, अब कट्टर दुश्मन बन कर आमने-सामने खड़े हैं,जो देश के लिए हमेशा साथ में लड़े है, आज दुश्मन बन क्यों आमने सामने खड़े है? सीआईडी में एसीपी प्रद्युमन की भूमिका निभाने वाले शिवाजी साटम ने कहा, सीआईडी के इस सीज़न में, दया-अभिजीत की अटूट जोड़ी टूट गई है और दोनों एक दूसरे के विरुद्ध खड़े हैं। सीआईडी की नींव हिल गई है, और एसीपी प्रद्युमन की दुनिया में बवाल मच गया है। छह साल बाद एसीपी प्रद्युमन के रूप में वापसी करके किसी सपने की तरह लग रहा है, क्योंकि इस किरदार को बहुत प्यार मिला है, और हम सस्पेंस और दिल को छू लेने वाले ड्रामा से भरे रोमांचक सफर का वादा करते हैं! गौरतलब है कि सोनी चैनल पर सीआईडी की शुरुआत वर्ष 1998 में हुई थी। सीआईडी ऐसा सीरियल है, जिसे भारत का सबसे लंबा चलने वाला सीरियल होने का श्रेय प्राप्त है। इस सीरियल में शिवाजी साटम, दयानन्द शेट्टी और आदित्य श्रीवास्तव ने मुख्य किरदार निभाये हैं। यह सीरियल 20 वर्षो तक लगातार प्रसारित किया गया। छह साल के बाद सीआईडी सोनी इंटरटेनमेंट टेलिवजन पर वापसी करने जा रहा है।

इंडियाज बेस्ट डांसर के सेट पर करिश्मा ने किया परफार्म

मुंबई/एजेन्सी

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म भूल भुलैया 3 के प्रमोशन में बिजी हैं।हाल ही में वह को स्टार विद्या बालन के साथ इंडियाज बेस्ट डांसर 4 के सेट पर पहुंचे।जहां उन्होंने करिश्मा कपूर और अन्य जजों के साथ खूब मस्ती की, जिसकी झलक सामने आए लेटेस्ट प्रोमो में देखने को मिल रही है।क्लिप में करिश्मा कपूर दुल्हन हम ले जाएंगे में के गाने प्यार दिलों का मेला है पर डांस करती हुई नजर आ रही हैं।हालांकि उनकी एक गलती फैंस ने पकड़ ली है। इंडियाज बेस्ट डांसर 4 के नए प्रोमो में कार्तिक आर्यन को करिश्मा कपूर के साथ सलमान खान और करिश्मा कपूर स्टारर प्यार दिलों का मेला है गाने पर डांस करते हुए देखा जा सकता है।हालांकि वह स्टेप्स गलत कर देते हैं, जिन्हें सोशल मीडिया यूजर्स ने पकड़ लिया है।

एक यूजर ने लिखा, इस एपिसोड का इंतजार नहीं कर सकते।दूसरे यूजर ने लिखा, खूबसूरत जोड़ी कार्तिक और करिश्मा कपूर, तीसरे यूजर ने लिखा, गाने पर गलत स्टेप किया है।चौथे यूजर ने लिखा, स्टेप गलत हो गया।पांचवे यूजर ने लिखा, सलमान भाई को होना चाहिए था। गौरतलब है कि प्यार दिलों का मेला है गाना साल 2000 में आई फिल्म दुल्हन हम ले जाएंगे का है, जिसमें करिश्मा कपूर और सलमान खान लीड रोल में थे।वहीं अनुपम खेर, परेश रावल, दीपक तिजोरी और ओम पुरी अहम किरदार में नजर आए थे।फिल्म के गाने फैंस द्वारा पसंद किए गए थे। कार्तिक आर्यन की बात करें तो उनकी अपकमिंग हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसके साथ ही अजय देवगन की सिंघम अगेन से फिल्म की टक्कर देखने को मिलेगी।अब तक फिल्म के दो गाने टाइटल ट्रैक और आमी जे तोमार 3.0 रिलीज हो चुका है, जो धूम मचा रहा है।

अभिनेता अनिल कपूर और नाना पाटेकर रविवार को मुंबई में एक अनौपचारिक सैर के दौरान बातचीत करते हुए देखे गए।

ज़िंदगी के हर अहम मोड़ पर 'डिओर' हमेशा साथ रहा है : सोनम कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर का कहना है कि ज़िंदगी के हर अहम मोड़ पर डिओर हमेशा उनके साथ रहा है। प्रतिष्ठित फ्रांसीसी लक्ज़री ब्रांड डिओर ने सोनम कपूर को अपने एम्बेसडर के रूप में घोषित किया, जिससे वह इस ब्रांड की पहली दक्षिण एशियाई वैश्विक एम्बेसडर बन गईं। इस घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर सोनम कपूर की 2010 में प्रदर्शित फिल्म आयशा की तस्वीरों की भरमार है, जिसमें वह डिओर के हैंडबैग के साथ शॉपिंग करती नजर आ रही हैं। फिल्म आयशा के समय से डिओर के साथ अपनी लंबी साझेदारी के बारे में

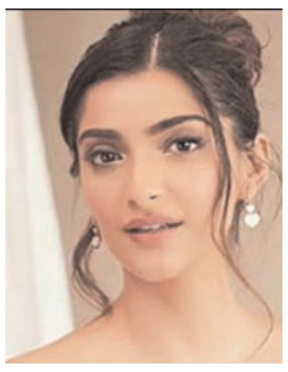

बात करते हुए सोनम कपूर ने कहा, डिओर और मैं हमेशा से साथ आने के लिए बने थे, और मुझे लगता है कि आयशा हमारी साझेदारी की शुरुआत के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था। मैंने जब फैशन को गंभीरता से देखना शुरू किया, तभी से मैं डिओर की बड़ी प्रशंसक रही हूं। आयशा में मैंने और रिया ने इस ब्रांड के लिए अपने प्यार, उसके फिलॉसफी और फैशन पर उसके प्रभाव को श्रद्धांजलि देने की कोशिश की, और मेरा किरदार डिओर में सिर से पांव तक सजा हुआ है। मेरी ज़िंदगी के हर अहम मोड़ पर डिओर हमेशा मेरे साथ रहा है।

इसीलिए, मेरे लिए डिओर के पहले दक्षिण एशियाई वैश्विक एम्बेसडर बनने का यह सफर सचमुच एक पूरे चक्र की तरह है। ब्रांड का हिस्सा बनकर, इसके इतिहास और दृष्टिकोण के प्रति मेरा आदर डिओर समझता है और मैं इस सम्मान के लिए आभारी हूं।

सिनेमाजगत के राजकुमार थे प्रदीप कुमार

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा जगत में प्रदीप कुमार को ऐसे अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है, जिन्होंने 50 और साठ के दशक में अपने ऐतिहासिक किरदारों के जरिये दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पचास और साठ के दशक में फिल्मकारों को अपनी फिल्मों के लिए जब भी किसी राजा, महाराजा या फिर राजकुमार अथवा नवाब की भूमिका की जररत होती थी वह प्रदीप कुमार को याद करते थे।उनके उत्कृष्ट अभिनय से सजी अनारकली, ताजमहल, बहू बेगम और चित्रलेखा जैसी फिल्मों को दर्शक आज भी नहीं भूले हैं। पश्चिम बंगाल में चार जनवरी 1925 को ब्राह्मण परिवार में जन्में प्रदीप कुमार बचपन से ही फिल्मों में बतौर अभिनेता काम करने का सपना देखा करते थे।अपने इस ख्वाब को पूरा करने के लिए वह अपने जीवन के शुरूआती दौर में रंगमंच से जुड़े ।हालांकि इस बात के लिए उनके पिताजी राजी नहीं थे।

वर्ष 1944 में उनकी मुलाकात निर्देशक देवकी बोस से हुई, जो एक नाटक में प्रदीप कुमार के अभिनय को देखकर काफी प्रभावित हुए ।उन्हें प्रदीप कुमार से एक उभरता हुआ सितारा दिखाई दिया और उन्होंने अपनी बंगला फिल्म अलखनंदा में उन्हें काम करने का मौका दिया ।अलखनंदा में प्रदीप कुमार नायक के रूप में अपनी पहचान बनाने में भले ही सफल नहीं हुए लेकिन एक अभिनेता के रूप में उन्होंने सिने करियर के सफर की शुरआत कर दी। इस बीच प्रदीप कुमार ने एक और बंगला फिल्म भूली नाय में अभिनय किया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सिल्वर जुबली मनायी।इसके बाद उन्होंने हिंदी सिनेमा की ओर भी अपना रख कर लिया।वर्ष 1949 में प्रदीप कुमार अपने सपने को साकार करने के लिए मुंबई आ गये और कैमरामैन धीरेन डे के सहायक के तौर पर काम करने लगे।

वर्ष 1949 से 1952 तक वह फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष करते रहे।प्रदीप कुमार को फिल्मों में नायक बनने का नशा कुछ इस कदर छाया हुआ था कि उन्होंने हिंदी और उर्दू भाषा की तालीम हासिल करनी शुर कर दी।वर्ष 1952 में प्रदर्शित फिल्म आनंद मठ में प्रदीप कुमार पहली बार मुख्य अभिनेता की भूमिका में दिखाई दिये।हालांकि इस फिल्म में पृथ्वीराज कपूर जैसे महान अभिनेता भी थे, फिर भी वह दर्शकों के बीच अपने अभिनय की छाप छोड़ने में कामयाब रहे।इस फिल्म की सफलता के बाद प्रदीप कुमार बतौर अभिनेता फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में सफल हो गये। वर्ष 1953 में फिल्म अनारकली में प्रदीप कुमार ने शाहजादा सलीम की भूमिका निभायी, जो दर्शकों को काफी पसंद आयी ।इसके साथ ही वह ऐतिहासिक फिल्मों के लिये निर्माता, निर्देशक की पहली पसंद बन गये। वर्ष 1954 में प्रदर्शित फिल्म.नागिन.. की सफलता के बाद प्रदीप कुमार दर्शकों के चहेते कलाकार बन गये।इस फिल्म ने बॉक्स पर सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित किये और इसमें गीत ..मन डोले मेरा तन डोले.. मेरा दिल ये पुकारे आजा.. गीत श्रोताओं के बीच काफी लोकप्रिय हुए।

पुण्यतिथि के अवसर पर

वर्ष 1956 प्रदीप कुमार के सिने कैरियर का सबसे अहम वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उनकी 10 फिल्में प्रदर्शित हुयी जिनमें श्री फरहाद, जागते रहो, दुर्गेश नंदिनी, बंधन, राजनाथ और हीर जैसी फिल्में शमिल हैं। प्रदीप कुमार की जोड़ी मीना कुमारी के साथ खूब जमी।उनकी जोड़ी वाली फिल्मों में अदले जहांगीर, बंधन, चित्रलेखा, बहू बेगम, भींगी रात, आरती और नूरजहां शामिल हैं। अभिनय मे एकरूपता से बचने और स्वंय को चरित्र अभिनेता के रूप मे भी स्थापित करने के लिये प्रदीप कुमार ने अपने को विभिन्न भूमिकाओं मे पेश किया।इस क्रम में वर्ष 1969 मे प्रदर्शित अजय विश्वास की सुपरहिट फिल्म .संबंध .में उन्होंने चरित्र भूमिका निभाई और सशक्त अभिनय से दर्शकों की वाहवाही लूट ली। हिन्दी फिल्मों के अलावा प्रदीप कुमार ने बंगला फिल्मों में भी अपने अभिनय का जौहर दिखाया। इन फिल्मों में भूलीनाई, गृहदाह दासमोहन, देवी चैधरानी, राय बहादुर, संदीपन आनंद मठ जैसी फिल्में शामिल है।इसके अलावा उन्होंने कई बंगला नाटकों मे भी अभिनय किया। लगभग चार दशक तक अपने सशक्त अभिनय से दर्शको के बीच खास पहचान बनाने वाले प्रदीप कुमार 27अक्टूबर 2001 को इस दुनिया को अलविदा कह गये।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास से प्रिंसेस गोल्फ सभागार में सम्पन्न हुआ। साध्वीश्री गुरुआज्ञानिधिश्रीजी की निश्रा में आयोजित कार्यक्रम में साध्वीश्री ने अपने प्रेरणादायक विचारों से समाज को एकजुटता, संस्कार और धर्म का महत्व समझाते हुए उपस्थित जनों को प्रोत्साहित किया।

धर्म का मूल ही विनय गुण है : मुनि मलयप्रभसागर

बसवनगुड़ी में शुरु हुआ उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री मलयप्रभसागरजी द्वारा परमात्मा महावीर निर्वाण कल्याणक के अवसर पर उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन प्रारम्भ किया। परमात्मा महावीर की मूलवाणी के प्रथम अध्याय विनय गुण के बारे में बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि जो व्यक्ति विनय करता है वह देव, मनुष्य और गणधरों द्वारा पूजित होता है। धर्म का मूल ही विनय गुण है। दूसरा अध्ययन परिषह प्रविभक्ति में कहा गया है कि जिस मार्ग पर हम चल रहे हैं उन परिषहों को सहन करने में हमें च्युत नहीं होना है। हमें परिषहों को सहन करना है। कष्टों से हमें घबराना नहीं है। परमात्मा ने मुनि भगवन्तों के बाईस परिषहों को सहन करने के बारे में उत्तराध्ययन सूत्र के दूसरे अध्ययन में बताया। तृतीय अध्ययन चतुरंगीय, इस जगत में चार चीजें बहुत दुर्लभ है जिसमें प्रथम मनुष्य भव और जिनशासन मिलना क्योंकि इसी भव से हमें मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। द्वितीय जिनागम और जिनवाणी श्रवण, तृतीय जिनवाणी पर श्रद्धा और चतुर्थ जिनाज्ञा के अनुरूप आचरण करते हुए संयम ग्रहण करके मोक्ष लक्ष्य की प्राप्ति करना है। चतुर्थ अध्ययन असंस्कृत यानि अप्रमाद का सेवन करना और प्रमाद का त्याग करना है। हमें चारों कषायों का त्याग करना है। हमें कठिन कर्मों को भोगना ही पड़ेगा, उन्हें भोगे बिना मोक्ष नहीं है। धन और दौलत से कभी भी हमारी रक्षा नहीं होगी, लेकिन रक्षा तो धर्म से ही हो सकती है।

पांचवां अध्ययन अकाममरणीय, मुनियों को बाल मरण नहीं करना है बल्कि पंडित मरण को प्राप्त करना है। इस देह को हमें रोते रोते नहीं बल्कि हंसते हंसते छोड़ना है। अकाम मरण की जगह सकाम मरण को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना है। छठा अध्ययन छुल्लक निर्ग्रन्थीय जिसमें राग द्वेष की गांठें नहीं रखनी है। इन ग्रन्थियों को हमारे जीवन से दूर करनी है। राग द्वेष की गांठें दूर किए बिना हमें मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो सकेगी।

मनुष्य का जन्म उसके कर्मों अनुसार होता है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्त विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी ने 32 शास्त्रों में पनरवां सूत्र 'प्रज्ञापन' सूत्र की विवेचना करते हुए 'स्थान' क्षेत्र का महत्व समझाया। मुनिश्री ने बताया कि स्थान उसे कहते है जहाँ जीव जन्म लेते है। जहाँ स्थानकों में (जो जड़ है) राग-ममत्वमूर्च्छा भाव जितने गहरे होंगे उत्तने ही सुख से दूर होते जाएंगे।

मूर्च्छा भाव यदि जड़ पदार्थों में अटका है तो समझना चाहिए कि जीव धर्म से सुख से दूर होता जा रहा है। जीने का साधन जो जड़ है उसमें 'राग' भाव जितना ज्यादा होगा तो दुर्योधन वाली महाभारत होती ही रहेगी। इन्सानों-प्राणियों के प्रति प्रीति योग रखने से दोनों पक्ष एक दूसरे के हित-कल्याण- और सुख देने की ही सोचते है। स्थान हमें अपने कर्मानुसार मिला है और आगामी जन्मों में भी अभी के सन्तोष, सरलता, नम्रता, निर्लोभता संयम भावों से अच्छी गुणवत्ता वाला स्थान ही प्राप्त होगा। जड़ में राग और जलन, निंदा, विकथा से आगामी स्थान भी अशुभ लेश्या और स्थान क्लेश कंकास भय वाला ही मिलेगा। प्राणियों के प्रति प्रीति भाव रखने से वे सभी प्राणी भी हमारे हित की सोचेंगे।

राग दुःखकारी जब बनता है कि उसमें जड़ता-मिथ्यात्व जुड़ा हो, मिथ्यात्व को जड़ माना है। सभी कर्म युक्त जीवों को पुण्य-पाप के फलानुसार स्थान चार गति में मिलता ही है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने विभिन्न जानकारियां दी।

शेखर वीरस्वामी और प्रतिमा राव ने जीती व्हीलचेयर टेनिस प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्नाटक व्हीलचेयर टेनिस एसोसिएशन(केएसएलटीए) द्वारा कब्बन पार्क में दो दिवसीय राज्य स्तरीय व्हीलचेयर टेनिस टूर्नामेंट में राज्य के 59 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। कार्ले इंफ्रा द्वारा प्रायोजित और बलदोटा ग्रुप द्वारा सह-प्रायोजित इस कार्यक्रम ने दिव्यांग टेनिस खिलाड़ियों को समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस अवसर पर केडब्ल्यूटीए के अध्यक्ष बीआर चंद्रकांत ने कहा केडब्ल्यूटीए का गठन 15 साल पहले किया गया था। संगठन दिव्यांगों को इन टेनिस टूर्नामेंटों में भाग लेने और उपलब्धि का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। प्रतियोगिता में बेंगलूरु से 39 प्रतियोगी व हुब्बल्ली, हासन, दावणगेरे, कोप्पल, धारवाड़, हावेरी, बागलकोटे से 24 महिला और 35 पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण समारोह में बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक और कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन के मानद सचिव आईएएस महेश्वर राव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्ले इंफ्रा के प्रबंध निदेशक सुदर्शन कार्ले सम्मानित अतिथि थे। महिला युगल वर्ग में प्रतिमा एन. राव और मुबीना, पुरुष युगल में शेखर वीरास्वामी और अनिल डी., पुरुष एकल में शेखर वीरास्वामी और महिला एकल प्रतिमा एन. राव विजेता रहे।

इंडोनेशिया के माउंट मारापी में ज्वालामुखी विस्फोट

पडांग (इंडोनेशिया)/एपी। इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक में रविवार को विस्फोट होने से कम से कम तीन बार राख के गुबार उठे और आसपास के गांवों में मलबा फैल गया। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के अगम जिले में स्थित माउंट मारापी में होने वाले विस्फोटों का पूर्वानुमान लगाना कठिन है, क्योंकि वे मैग्मा की गहरी हलचल के कारण नहीं, बल्कि भूगर्भीय झटकों के कारण होते हैं।

मुनिसुव्रत कुमारापार्क संघ पाठशाला का वार्षिक उत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

विद्यार्थियों व सेवादारों का सम्मान किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास से प्रिंसेस गोल्फ सभागार में सम्पन्न हुआ। साध्वीश्री गुरुआज्ञानिधिश्रीजी की निश्रा में आयोजित कार्यक्रम में साध्वीश्री ने अपने प्रेरणादायक विचारों से समाज को एकजुटता, संस्कार और धर्म का महत्व समझाते हुए उपस्थित जनों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी उपस्थितों को जीवन में नैतिक मूल्यों का पालन करने की प्रेरणा दी। अध्यक्ष प्रकाश राठौड ने सभी का स्वागत करते हुए धर्म एवं धार्मिक शिक्षा के बारे में बताते हुए कहा कि पाठशाला के प्रगति पर जानकारी दी व साध्वीश्री के प्रति आभार जताया। सचिव पारस भंडारी ने चातुर्मास की गतिविधियों, अनूठे कार्यक्रम, चातुर्मास के दौरान युवाओं, बालिकाओं एवं महिला वर्ग में विशेष धर्म के प्रति लगाव एवं परिवर्तन हेतु साध्वीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

इस कार्यक्रम में विशेष शॉपिंग माल के आयोजन कर सभी बच्चों को अपने पॉइंट के मुताबिक अपनी मनपसंद वस्तु लेने के लिए व्यवस्था एवं धर्म की जानकारी के लिए के लिए विभिन्न स्टॉल लगाए गए।

पाठशाला के बच्चों ने अपनी कला और कौशल का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए नाटक, नृत्य, स्किट और हास्य प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। उत्कृष्ट विद्यार्थियों को समारोह में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पुरस्कार देते हुए सम्मानित किया। मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ के अंतर्गत सेवा देने वाले सभी कमेटी सदस्य, युवा मंडल, महिला मंडल, बहु मंडल एवं पाठशाला के गुरुजी का सम्मान भी किया गया। समस्त कार्यक्रम में ट्रस्ट के विमल भंडारी, हरीश सोलंकी, मुकेश बाफना, राकेश सोलंकी एवं ओगरचंदजी सोलंकी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन अलपेश गुरुजी ने किया। संघ ने कोषाध्यक्ष अशोक पोरवाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवेश्वरनगर स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस खेल मैदान में क्रिकेट प्रतियोगिता 'पावर स्टार पुनीत राजकुमार कप' का आयोजन किया गया, जिसमें 21 टीमों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जो खेलता है, वह खिलता है। स्वस्थ रहने के लिए खेल अनिवार्य है। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

'विकास के लिए आवश्यक है विनम्रता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि विनम्रता विकास के लिए आवश्यक पहलू है। जहाँ विनय गुण को अपने जीवन में धारण करने वाला, सरल स्वभावी विनम्र व्यक्ति अपने सम्पर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रेम व सम्मान का पात्र बन जाता है। अपने गुरु की हर आज्ञा को शिरोधार्य करते हुए पूर्ण श्रद्धा-समर्पण भाव के साथ सेवा उनके स्व के साथ संयम पालन में सहयोगी बनते हुए पंचाचार साधना रूपरत रहता है ऐसा विनीत शिष्य सभी का प्रिय-भाजन एवं अपने गुरु की असीम कृपा, आशीर्वाद को सहज रूप में प्राप्त करता है। संसार में मानव भी विनय-विनम्रता के गुण को अपने जीवन में अपनाते हुए सर्वत्र आदर-सम्मान को प्राप्त करता हैं। विनम्रता का त्याग करने वाला सब जगह से तर्जनीय-उपहास का, अनादर का पात्र बनता है अगर जीवन विनम्रता के गुण से सुवासित ना हो तो रूप, सम्पन्नता भी व्यर्थ हो जाती है। विनम्रता के धरातल पर स्वयं के व्यक्तित्व का निर्माण ही, मानवता व प्रेम, सदाचार को प्रतिष्ठित करना है। गुरु की आज्ञा का पालन भी विनम्र, विनीत होकर ही किया जा सकता है और गुरु की कृपा - आशीर्वाद पाकर एक शिष्य भी कंकर से शंकर, साधारण से असाधारण और मानव से महामानव बन जाता है। रूपवान व्यक्ति के वाणी में भी मधुरता, सरलता, सेवा और, आज्ञापालन सहयोग का भाव व विनम्रता का गुण न हो तो रूप का आकर्षण विकर्षण बन जाता है। वहीं विनयगुण से संपन्न विनम्र स्वभाव का धनी सभी का स्नेहपात्र बन जाता है।

प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्रीमद उत्तराध्ययन सूत्र के खलुंकीय' नामक सत्ताइसवें अध्ययन और 'मोक्ष मार्ग गति' नामक अट्ठाइस अध्ययन की सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि संयमित विनीत, सदाचारमय साधक जीवन की उपयोगिता को रेखांकित करते हुए उसे महत्वपूर्ण जीवन आचार का श्रेष्ठ अंग बताया गया है और इसके विपरीत आचरण करने वाले स्वच्छन्द उच्छृंखल, अनुशासनहीन, उदण्ड, प्रमादी, संयम से पतित बने शिष्यों को खलुक दुष्ट बैल के समान बताया गया है। समाधि और आत्मभाव में साहचर्य साथ सहायक होना ही जहाँ गुरु और शिष्य दोनों के लिए संयम पालना, साथनामय जीवन के लिए श्रेष्ठ हितकर है। वही अपने गुरु की आज्ञा नहीं मानकर, मनमाना, विपरीत दुराचरण-व्यवहार करने वाले अविनीत शिष्य का गुरु के लिए जिनशासन-कीर्ति रक्षा-सुरक्षा के साथ स्व आत्म कल्याण में बाधक रूप प्रतीत होने पर उनका त्याज्य करना ही हितकर है। संचालन मंत्री सुरेश धोका ने किया।

दीपावली से पहले निराश्रितों के साथ मनाई दीपावली, बांटी मिठाइयां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने अपने तीसरे स्थापना दिवस पर केआर पुरम स्थित श्री साईं कृपा चैरिटेबल ट्रस्ट अनाथालय और वृद्धाश्रम में दीपावली के पूर्व निवासित 50 निराश्रित बच्चों पर 35 वरिष्ठ जनों के साथ दीपावली की खुशियां मनाई। फाउंडेशन के सीईओ विकासकुमार ने बताया कि इस मौके पर संस्था के सदस्यों ने बच्चों के लिए क्विज, दिवाली पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने चित्रकला व क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार बांटे। कोषाध्यक्ष राजमणि ने बताया ने बताया कि संस्था ने आश्रम के बच्चों व बड़ों को मिठाइयां, चॉकलेट व आश्रम की जरुरत की सामग्री भेंट की। इस मौके पर फाउंडेशन के राजमणि सिन्हा, विकास कुमार, राजीव रंजन, राममोहन पाठक, चंदन शर्मा, निशांत मडिवाल, अंकित मिश्रा, नीरज शर्मा, डीके मिश्रा आदि ने व्यवस्था संभाली ।

दैविक शक्तियों में सरस्वती की साधना सर्वश्रेष्ठ : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

मैसूरु में माता सरस्वती की विराट साधना गतिमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में पांच दिवसीय ज्ञान व सरस्वती के बीजमंत्रों की विधियुक्त साधना के चौथे दिन जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि राजस्थान के पाली जिले के सेवाड़ी, बीकानेर में, गुजरात के मेहसाणा जिले के रांतेज, उमता, थराद, पालीताना और सूरत में 750 वर्ष पुरानी जैन सरस्वती की कलात्मक प्रतिमाएं मौजूद हैं। पुरातत्व विभाग के अनुसार फतेहपुर सीकरी की खुदाई से मिली जैन सरस्वती की मूर्ति तो करीब 1000 से 1100 वर्ष प्राचीन हैं। लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में मौजूद धार नगरी की सरस्वती भी जैनमूर्ति है। म्यूजियम की रिपोर्ट के अनुसार उसके जैन परंपरा का होने का ईस्वी 1034-1035 का शिलालेख है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन परंपरा में सरस्वती की मान्यता और साधना प्रारंभ से ही रही है। प्राचीन जैन साहित्य में इसके सैकड़ों उल्लेख मिलते हैं। समय समय अनेक जैनाचार्यों ने सरस्वती की विधियुक्त साधना कर संसार को ज्ञान का महान खजाना दिया हैं। आचार्य सिद्धसेन, आचार्य बप्पभट्टी, आचार्य हेमचंद्र, आचार्य मुनिसुन्दर, आचार्य हरिभद्र और आचार्य मल्लिसेण जैसे ऐतिहासिक विद्वानों ने सरस्वती की साधनाएं कर न सिर्फ कालजयी साहित्य की रचनाएं की, बल्कि विद्वान शिष्यों की परंपरा देकर मानवता की बेहतरीन सेवा की। तत्कालीन समाज के वे प्रकाशपुंज माइलस्टोन रहे।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने बताया कि मथुरा के जैन स्तूप को मोहम्मद गजनी ने वर्षों की मेहनत के बाद ध्वस्त किया था। कंकाली टीले के नाम से जाने जाते इस ऐतिहासिक जैन स्थापत्य में एक मूर्ति सरस्वती देवी की भी थी। आज मथुरा के म्यूजियम में वह खंडित मूर्ति सुरक्षित है। उस पर ब्राह्मी लिपि में लिखे अभिलेख के अनुसार वह 1900 वर्ष पुरानी सरस्वती की मूर्ति है। विश्व की उपलब्ध यह सबसे प्राचीन सरस्वती प्रतिमा है।

जैनाचार्य ने कहा कि देवी देवताओं में सरस्वती की साधना सबसे श्रेष्ठ है। वह इहलौकिक कामनाओं, तुच्छ अपेक्षाओं और स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि ज्ञान, परमार्थ और परार्थ के लिए है। सरस्वती की साधना की बराबरी कोई दैविक साधना नहीं कर सकती। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि श्वेत परिधान में सज्ज 650 साधक यहां ज्ञान और सरस्वती के बीजमंत्रों की निरंतर पांच दिन तक विधिपूर्वक साधना कर रहे हैं। मैसूर में ऐसी साधना पहली बार हो रही है। 100 से अधिक साधक सवालाख बीजमंत्रों की साधना कर मंत्रसिद्धि करेंगे। सभी को एक हजार वर्ष से अधिक पुराने कल्प विधानों के आधार पर बना ताम्र यंत्र दिया गया है। सभी यंत्र गुरुपुष्य नक्षत्र में बनाकर गुरुपुष्य योग में ही साधना का शुभारंभ किया गया है। सोमवार को हवन की 1250 आहुतियों के बाद अर्घ्य और आरती के साथ साधना का मंगल समापन होगा।

नकली करेंसी के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले की कारोई थाना पुलिस ने शनिवार की रात नाकाबंदी में मध्य प्रदेश नंबर की एक आल्टो कार में सवार नाबालिक सहित पांच जनों को पकड़ 5400 के नकली एवं 2150 रुपए के असली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने कार सवार रवि निगम पुत्र ओमप्रकाश (37) व हर्षवर्धन सिहं पुत्र गजराज सिहं (20) निवासी न्यु बापु नगर थाना प्रतापनगर भीलवाडा एवं प्रधुमन सिहं पुत्र रणजीत सिहं (19) व गौतम सिहं पुत्र विक्रम सिहं निवासी भोपुर थाना बालघाट जिला करोली को गिरफ्तार कर एक नाबालिक को निरुद्ध कर लिया। एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि अपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोशन पटेल व सीओ रविंद्र प्रताप सिंह के सुपरविजन में शनिवार रात एसएचओ कारोई लक्ष्मी नारायण गुर्जर मय टीम द्वारा तहसील कार्यालय के सामने नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी की गई थी। इसी दौरान टीम के कांस्टेबल विक्रम व सुरेंद्र को मुखबिर से सूचना मिली कि गंगापुर की तरफ से आ रही एमपी नंबर की अल्टो कार में सवार पांच युवक नकली नोट बाजार में खपाने हाईवे से होकर भीलवाड़ा की तरफ आ रहे हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com